दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 337 | ग्वालियर, रविवार 17 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

महाराष्ट्र में 18 जनवरी तक रोका गया कोरोना टीकाकरण अभियान, कोविन ऐप में आई दिक्कत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस टीकाकरण को 18 जनवरी तक के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार रात बताया कि कोविन ऐप (कोविन) में तकनीकी गड़बड़ी आने के बाद पूरे राज्य में 18 जनवरी तक के लिए टीकाकरण को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि पूरे देश में आज से कोरोना वैक्सीनेशन की शुरुआत हो चुकी है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र में भी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ था। मुंबई में जेजे अस्पताल के डीन डॉक्टर रंजीत मानकेश्वर तथा जालना सिविल अस्पताल की डॉक्टर पद्मजा सराफ सबसे पहले टीका लगवाने वालों में शामिल रहे। महाराष्ट्र के 285 केन्द्रों में टीके लगाए जा रहे थे, जहां एक दिन में 100 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए गए। कुल मिलाकर दिनभर में 28500 कर्मियों को टीके की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि शाम पांच बजे तक 18323 लोगों को टीका लगाया गया।

अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र को कोविशील्ड टीके की 9.63 लाख जबकि कोवैक्सीन टीके की 20

हजार खुराकें मिली हैं, जिन्हें सभी जिलों में वितरित किया गया है। डॉक्टरों ने कहा कि मुंबई के जेजे अस्पताल में एक डॉक्टर की आंखों में शनिवार को एलर्जी हो गई, लिहाजा उन्होंने टीके की खुराक नहीं ली। हालांकि इसका टीके से कोई संबंध नहीं है। बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को शुरू हुए कोविड-19 टीकाकरण अभियान को क्रांतिकारी कदम करार दिया और महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों द्वारा किए गए प्रयासों को याद किया। मुख्यमंत्री ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में कोविड केन्द्र में टीकाकरण अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि जब कोई उपचार उपलब्ध नहीं था तब कोरोना योद्धाओं ने निस्वार्थ तरीके से कोविड-19 रोगियों का इलाज किया। उन्होंने कहा, उन दिनों के याद करके मैं अब भी सहम जाता हूं। उस समय हालात सचमुच बहुत प्रतिकूल और नाजुक थे। हर किसी के सामने यही सवाल था कि अब आगे क्या किया जाए और कोई समाधान नहीं नजर नहीं आ रहा था। हालात के चलते हर कोई दबाव में था।

न्यूज ट्रैक

कोरोना वैक्सीन हलाल या हराम, बरेली और देवबंद के उलेमाओं से देशभर के मुसलमान पूछ रहे सवाल

बरेली। कोरोना वायरस से निपटने के लिए वैक्सीन लगने का दौर शुरू हो गया है। ऐसे में बरेलवी मसलक से जुड़े उलेमा से देश भर के मुसलमान वैक्सीन हलाल या हराम, इस पर सवाल पूछ रहे हैं। सवालों के जवाब में उलेमा ने साफ तौर पर कहा कि शरीयत, कुरआन में हराज जैसी चीज को एक ही शर्त पर जायज करार दिया है, जब वो दवा के रूप में हो। ऐसी दवा जिसका दूसरा विकल्प न हो और जान बचाने के लिए उस दवा का सेवन करना पड़े तो वो जायज हो जाता है। सुन्नी उलमा कौंसिल के अध्यक्ष और इस्लामी स्कॉलर मौलाना इंतजार अहमद कादरी ने बताया कि लोग पूछ रहे हैं कि वैक्सीन लगाना जायज है या हराम। इस पर दारुल इफ्ता के उलेमा से भी राफता किया गया है। जवाब आया है कि जान बचाने के लिए अगर कोई दूसरा विकल्प न हो तो ऐसी सूरत में उसको दवा के रूप में लिया जा सकता है। हलाल, हराम जैसी चीजों को कुरआन ने पहले ही तय कर दिया है। शर्त यह है कि अगर कोई जानलेवा बीमारी फैली हो और उसकी दवा दूसरी न हो तो, जो दवा मौजूदा वक्त में है और उसे लेना जरूरी है तो वो ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि 15 दिनों में देश भर से करीब 200 से ज्यादा लोगों ने संपर्क करके वैक्सीन के बारे में जानकारी ली है। मुफ्ती गुलाम मुस्तफा रजवी ने कहा कि वैक्सीन को किस तरह से बनाया गया है, यह आगे का विषय है। इस पर उलेमा-ए-दीन तहकीकात कर रहे हैं। जैसे ही यह मालूम हो जाएगा कि वैक्सीन में ऐसी कोई चीज इस्तेमाल नहीं की गई है, जिसकी इस्लाम में इजाजत नहीं है। उसके बाद ही उलेमा अपना फैसला शरीयत की रोशनी में देंगे।

कोरोना के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के पहले दिन शनिवार को देश में कुल 191181 लोगों को टीका लगाया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय यह जानकारी दी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शनिवार को कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ शुरू किए गए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को पहले चरण में भारत में अग्रिम मोर्चों पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली खुराक दी गई। जिन राज्यों में सबसे ज्यादा टीका लगाया उसमें उत्तर प्रदेश पहले नंबर है। इसके साथ ही 10 महीनों में लाखों जिंदगियों और रोजगार को लील लेने वाली इस महामारी के खात्मे की उम्मीद जगी है। भारत में करीब एक करोड़ लोगों के संक्रमित होने और 1.5 लाख लोगों की मौत के बाद भारत ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीके के साथ महामारी को मात देने के लिए पहला कदम उठाया है और देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ एम्स दिल्ली के निदेशक रणदीप गुलेरिया, नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल, भाजपा सांसद महेश शर्मा और पश्चिम बंगाल के मंत्री निर्मल माजी उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें टीके की पहली खुराक दी गई। पॉल कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा उपकरण एवं प्रबंधन को लेकर गठित अधिकार समूह के प्रमुख भी हैं। अभियान की शुरुआत से पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री कहा कि टीके की दो खुराक लेनी बहुत जरूरी है और इन दोनों के बीच लगभग एक महीने का अंतर होना चाहिए।

सपा सांसद आजम खां पर योगी सरकार की सबसे बड़ी कार्रवाई

जौहर यूनिवर्सिटी से 70 हेक्टेयर जमीन छीनी

रामपुर। सपा सांसद मोहम्मद आजम खां को एक और बड़ा झटका लगा है। जौहर ट्रस्ट द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी के लिए खरीदी गई करीब 70 हेक्टेयर जमीन शासनादेश के उल्लंघन की जद में आ गई है। एडीएम (प्रशासन) जगदंबा प्रसाद गुप्ता की कोर्ट ने जौहर विवि की यह जमीन राज्य सरकार में निहित करने का फैसला सुनाया है। साथ ही एसडीएम सदर को जमीन पर कब्जा लेकर इसे इंद्राज कराने का आदेश दिया है।

जौहर ट्रस्ट के नाम पर 2005 से लेकर अब तक लगभग 75.0563 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई थी। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सपा सरकार की कैबिनेट के फैसले में जौहर ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने वाली जमीन पर स्टांप शुल्क से छूट दी गई थी। ट्रस्ट के नाम पर जो 70.005 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई उसके लिए स्टांप शुल्क का भुगतान नहीं किया गया। कैबिनेट से जो प्रस्ताव पास हुआ था उसमें शर्त थी कि ट्रस्ट की ओर से लोकहित से जुड़े कार्य कराने होंगे। अल्पसंख्यक, गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देनी होगी।

करीब साल भर पहले डीएम के आदेश पर एसडीएम सदर ने जौहर ट्रस्ट की इस जमीन की जांच की, जिसमें पाया गया कि जौहर ट्रस्ट ने जौहर विवि के लिए खरीदी 70.005 हेक्टेयर जमीन में शासन की शर्तों का उल्लंघन किया है। जिसके बाद एडीएम कोर्ट में वाद

दायर कराया गया। जौहर ट्रस्ट की ओर से उनके अधिवक्ता ने दलील दी थी कि आरोप निराधार हैं। जबकि, डीजीसी रेवेन्यु ने एसडीएम की जांच को कोर्ट में सही करार दिया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद शनिवार को इस मामले में एडीएम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। जिसमें जौहर ट्रस्ट की 70.005 हेक्टेयर जमीन सरकार में निहित करने का आदेश दिया गया है। कोर्ट ने एसडीएम सदर को आदेश के अनुपालन के लिए कहा है।

शासनादेश के उल्लंघन पर हुई कार्रवाई-जिला शासकीय अधिवक्ता अजय तिवारी ने बताया कि वर्ष 2005 में शासनादेश के तहत साढ़े बारह एकड़ से अधिक भूमि खरीदने की अनुमति सरकार ने प्रदान की थी। शासनादेश में जो शर्तें थीं, उसमें एक शर्त यह भी थी कि शासनादेश की किसी शर्त का उलंघन किया जाता है तो यह भूमि राज्य सरकार में निहित मानी जाएगी। एसडीएम की जांच में शासनादेश में दी गई शर्तों का उल्लंघन पाया गया। डीजीसी रेवेन्यु अजय तिवारी ने बताया जौहर ट्रस्ट की ओर से जौहर विवि के लिए 70.005 हेक्टेयर जमीन स्टांप मुक्त खरीदी गई थी। जमीन की खरीद के लिए शर्त थी कि इसका उपयोग चैरिटी के कार्यों के लिए होगा, जिसका उल्लंघन हुआ। इस मामले में एडीएम कोर्ट ने संबंधित भूमि राज्य सरकार में निहित करने के आदेश दिए हैं। एसडीएम सदर को आदेश दिए हैं कि वह इस भूमि पर कब्जा लेकर इसे अभिलेखों में इंद्राज कराएं।

मुख्यमंत्री गहलोत तक पहुंची शिकायत तो भी नहीं डरे एसपी मनीष अग्रवाल, बढ़ता ही गया लालच

जयपुर। राजस्थान में इन दिनों एसीबी एक्शन मोड में है। दौसा जिले के दो एसडीएम और तत्कालीन एसपी मनीष अग्रवाल के दलाल के ट्रैप होने के बाद अब एसपी पर भी गाज गिर सकती है। बताया जा रहा है कि इस पूरे रैकेट ने घूसखोरी के लिए जिले में आतंक मचा रखा था। एसपी मनीष अग्रवाल के खिलाफ तो सीएम अशोक गहलोत तक कई शिकायतें पहुंची थी लेकिन इसके बावजूद एसपी का दुस्साहस इतना रहा कि वे सीएम से भी नहीं डरे और उनका लालच बढ़ता ही गया। सीएम अशोक गहलोत तक कंपनी के प्रतिनिधि ने शिकायत पहुंचाई। इसमें कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया था कि पूरे दस्तावेज होने के बावजूद पुलिस निर्माण कार्य में जुटे वाहनों को घंटों तक रोकती है। वाहनों का चालान किया जाता है। इसके बाद भी वाहन नहीं छोड़े जाते है। वाहन रोकने पर थानों में संपर्क करने पर जवाब मिलता है कि एसपी साहब से बात कर लो। कंपनी ने शिकायत में कहा कि संभवतः एसपी के अप्रत्यक्ष निर्देश है कि इतना परेशान करो कि कंपनी दबाव में आ जाए और उनसे मुलाकात करे।

उत्तर भारत में बर्फीली हवाओं के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, कोहरे ने और बढ़ाई दिक्कत

नई दिल्ली। उत्तर भारत में बर्फीली हवाओं और घने कोहरे का कहर जारी रहने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। सड़क, रेल और हवाई सेवा पर इसका असर पड़ा। घने कोहरे ने समूचे उत्तर भारत को अपने आगोश में ले लिया तथा रात में सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। कश्मीर घाटी में भी ठंड के साथ कोहरे का कहर जारी रहा। पंजाब और हरियाणा में घने कोहरे से यात्रियों को परेशानी हुई। कोहरे के चलते पंजाब के लुधियाना में दस गाड़ियां आपस में टकरा गईं जिससे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है।

पंजाब और हरियाणा में शीत लहर जारी-पंजाब और हरियाणा में शनिवार को शीतलहर चलती रही और बठिंडा में पारा चार डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी में पारा 5.8 डिग्री तक लुढका। वैसे दोनों राज्यों में कई स्थानों पर सुबह घना कोहरा छाया रहा जिससे यात्रियों को परेशानी हुई

कश्मीर में ठंड का प्रकोप बढ़ा, तापमान में गिरावट-कश्मीर के कई इलाकों में शनिवार को न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की गई जिससे घाटी में सर्दी का प्रकोप और बढ़ गया है। इसकी वजह से प्रसिद्ध डल झील के साथ-साथ कई इलाकों में पानी के स्रोत जम गए हैं। श्रीनगर सहित घाटी के कई इलाकों में शनिवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा।

आप एमएलए सोमनाथ भारती को मिली सशर्त जमानत

बिना इजाजत नहीं जा सकेंगे देश से बाहर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अमर्यादित टिप्पणी करने और शहर कोतवाल को वर्दी उतरवाने की धमकी देने के आरोपी दिल्ली के आप पार्टी के विधायक व पूर्व कानून मंत्री को सशर्त जमानत मिल गई है। शर्तों के पालन के साथ ही उन्हें दो जमानतदारों के साथ पचास हजार का निजी मुचलका भी देना होगा। विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए अपर जिला जज ने जमानत दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया है। शनिवार को आरोपी आप विधायक

सोमनाथ भारती की जमानत पर विशेष न्यायाधीश एमएपी एमएलए अपर जिला जज विनोद कुमार बरनवाल की अदालत में जमानत पर बहस हुई। आरोपी के अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह भदौरिया ने अपने तथ्य रखे वहीं विशेष लोक अभियोजक संदीप सिंह जमानत खारिज करने के लिए तर्क प्रस्तुत किए।

चीन बॉर्डर पर निगरानी के पुख्ता इंतजाम

जवानों ने तैयार किया एक्शन प्लान

> उत्तराखंड के लिपुलेख, नीति दर्रा, मंगसा धुरा, टी सांग चोकला, मुलिंगला, माणा पास, तुंजुन ला और अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला, दिहंग, लोंगजू, यंग याप, कुंजवंग,तुन्गधारा, जेचाप ला, दिफू ला हिमाचल प्रदेश के बरालाचा, देबसा पास, शिपकी ला, सिक्किम के नाथुला, नाकुला, जेलेप ला और लद्दाख में काराकोरम पास तक सभी जगहों पर आईटीबीपी की तरफ से कॉम्प्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है।

नई दिल्ली। भारत एलएसी पर तनाव कम होने की स्थिति में भी चीन सीमा और ट्राई जंक्शन पर निगरानी के चौकस व पुख्ता सुरक्षा इंतजाम की तैयारी कर रहा है। भूटान व नेपाल सीमा के ट्राई जंक्शन पर मौजूद एसएसबी और चीन सीमा पर ज्यादातर इलाकों में मौजूद आईटीबीपी ने निगरानी मजबूत करने के लिहाज से अपना एक्शन प्लान तैयार किया है। इस पर अमल भी शुरू हो गया है।भारत निगरानी के लिए तैनात जवानों के अलावा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस पर काफी फोकस कर रहा है। चीन, नेपाल, भूटान बॉर्डर पर इस तरह की चौकसी समान रूप से होगी। जिससे सीमाओं के त्रिकोण पर भी पैनी नजर रखी जा सके। उत्तराखंड के लिपुलेख, नीति दर्रा, मंगसा धुरा, टी सांग चोकला, मुलिंगला, माणा पास, तुंजुन ला और अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला, दिहंग, लोंगजू, यंग याप, कुंजवंग,तुन्गधारा, जेचाप ला, दिफू ला हिमाचल प्रदेश के बरालाचा, देबसा पास, शिपकी ला, सिक्किम के नाथुला, नाकुला, जेलेप ला और लद्दाख में काराकोरम पास

तक सभी जगहों पर आईटीबीपी की तरफ से कॉम्प्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस सिस्टम में कई अलग तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट लगाए जा रहे हैं, ताकि सीमा पर बारीकी से नजर रखी जा सके।

72 पोस्ट ऐसी, जिनकी ऊंचाई 12 हजार से 18 हजार फीट-नाइट विजन डिवाइस, ड्रोन, लॉरंस राडार सिस्टम, थर्मल इमेजर, लांग रेंज, पीटीजेड कैमरा आदि के अलावा सैटेलाइट से नजर रखी जा रही है। भारत-चीन सीमा पर कुल 72 ऐसी पोस्ट हैं, जिनकी ऊंचाई 12 हजार से 18 हजार फीट है। यहां भी सेना के साथ समन्वय से सभी तरह के इंतजाम आईटीबीपी द्वारा किए गए हैं। उत्तराखंड, अरुणाचल, हिमाचल, लद्दाख और सिक्किम सीमा पर आईटीबीपी की निगरानी काफी चौकस है। उत्तराखंड के कालापानी क्षेत्र में निगरानी पुख्ता है। ये ट्राई जंक्शन का इलाका है। यहां भारत-चीन-नेपाल तीनों देशों की सीमाएं मिलती हैं। सूत्रों ने कहा कि जहां एसएसबी तैनात है और जिन इलाकों में आईटीबीपी है, दोनों के बीच भी समन्वय बढ़ाया जा रहा है।

चीन पर गरजे थे सेना प्रमुख नरवणे-वहीं, सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने ड्रैगन को सख्त संदेश देते हुए शुक्रवार को कहा था कि हम बातचीत और राजनीतिक उपायों के जरिए समस्या का समाधान करने को प्रतिबद्ध हैं और किसी को हमारे संयम की परीक्षा लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

-माधव प्लाजा के हितग्राही बोले-

जब तक ब्याज माफ नहीं, मेंटेनेंस पर चर्चा नहीं, हम माधव प्लाजा में नहीं जायेंगे

माधव प्लाजा के हितग्राहियों के साथ 'चेम्बर भवन' में बैठक आयोजित

ग्वालियर। माधव प्लाजा के हितग्राहियों के साथ आज चेम्बर भवन में सायंकाल 4.30 बजे एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अयक्ष-प्रशांत गंगवाल, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल सहित माधव प्लाजा के हितग्राही काफी संख्या में उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि माधव प्लाजा का अनुभव व्यापारियों के लिए काफी बुरा रहा है। ग्वालियर विकास प्राधिकरण को इसे बनाने से पूर्व आवश्यक सभी एनओसी ली जाना चाहिए थी जो कि नहीं ली गईं जिसके कारण इसमें बुकिंग कराने वाले हितग्राहियों को काफी परेशानी हुई है। आपने कहा कि आज की बैठक आपसे विस्तृत चर्चा हेतु बुलाई है ताकि आपके सुझाव/मांग अनुसार संभागीय कमिश्नर महोदय व जनप्रतिनिधियों से चर्चा की जा सके। बैठक में संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि विगत दिवस हुई बैठक में चेम्बर प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने पर हमने मांग की थी कि चूंकि अब मध्यप्रदेश में रैरा लागू हो गया है और सभी प्रोजेक्ट इसके अंतर्गत आ चुके हैं तो रैरा के नियमानुसार माधव प्लाजा के हितग्राहियों के साथ व्यवहार होना चाहिए। जिन 150 से अधिक हितग्राहियों ने पार्ट पेमेंट जमा कराया है, उनसे आपके द्वारा जो ब्याज की मांग की जा रही है, वह गलत है। चूंकि प्रोजेक्ट में देरी जीडीए के पास पर्याप्त एनओसी नहीं होने के कारण हुई है। इसलिए हितग्राही का इसमें कोई दोष नहीं है। रैरा के नियमानुसार प्रोजेक्ट में देरी होने पर डेवलपर को हितग्राही को ब्याज देना होता इसलिए जीडीए को हितग्राहियों से ब्याज लेना नहीं बल्कि देना चाहिए। साथ ही बैठक में मांग की गई थी कि मेंटेनेंस चार्ज के लिए एक साल का समय हितग्राही को देना चाहिए। मानसेवी सचिव डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि हमें जीडीए से यह मांग करना चाहिए कि चूंकि प्रोजेक्ट में देरी जीडीए के पास आवश्यक एनओसी न होने के चलते हुई है इसलिए हम एक रूपया भी ब्याज नहीं देंगे वरन जीडीए को हमें रैरा नियमानुसार ब्याज देना चाहिए। साथ ही, मेंटनेंस चार्जेस दुकान की रजिस्ट्री होने के 6 माह अथवा ओपनिंग डेट जो पहले हो उस अनुसार लिया जाना चाहिए। कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा कि चूंकि रैरा में माधव प्लाजा प्रोजेक्ट आ गया है तो उस अनुसार ही सुविधाएं हितग्राहियों को जीडीए द्वारा प्रदान की जाना चाहिए क्योंकि व्यापारियों ने अपनी रकम पहले जमा कर दी है और जीडीए द्वारा देरी होने पर हितग्राहियों को हानि उठाना पड़ी है। बैठक में माधव प्लाजा के हितग्राहियों ने एक राय होकर कहा कि हम जीडीए को एक रूपया भी ब्याज के रूप में नहीं देंगे बल्कि जीडीए को प्रोजेक्ट में देरी होने के कारण हमें ब्याज देना चाहिए। मेंटेनेंस चार्जेज क्या हों और यह कब से लिया जाये इस पर हितग्राहियों से चर्चा हो और सर्वसम्मति बनने पर यह न्यूनतम लिया जाये। साथ ही, रैरा की गाइडलाइन का पालन करते हुए ही रजिस्ट्री कराई जाए एवं हितग्राहियों को पजेशन दिया जाये। हितग्राहियों की मांगों पर जब तक सहमति नहीं बनती है, हम माधव प्लाजा में नहीं जायेंगे। बैठक का संचालन मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य-रविप्रताप अग्रवाल, सदस्य-शरद अग्रवाल, माधव अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

उप संपादक संदीप प्रधान की रिपोर्ट

कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली डॉ हेमंत जैन ने बताया जा रहा है कि कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक खुद एक डॉक्टर ली इसलिए डॉक्टर का कहना है सभी देशवासियों से अनुरोध करता हूं की वैक्सीन अवश्य और वैक्सीन के साथ मार्क्स और हाथ सैनिटाइज जरूर करें क्योंकि सावधानी ही हमारे सावधानी और किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा ना करें।

युवा चेतना पखवाड़ा के तहत अभाविप कार्यकर्ताओं ने की महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

मेहगांव –अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेहगांव के द्वारा 12 जनवरी विवेकानंद जयंती से प्रारंभ हुये युवा चेतना पखवाड़ा अभियान के तहत आज महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ सफाई व माल्यार्पण किया गया। इस दौरान अभाविप ने नगर परिषद स्थित विवेकानंद प्रतिमा, महात्मा गांधी, सरस्वती माता, डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफ सफाई की। कई महीनों तक महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ सफाई नही की गई थी। अभाविप वर्षभर विकासार्थ विद्यार्थी के तहत महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ सफाई करती है। इस अभियान में रविवार को चित्रकला प्रतियोगिता, सोमवार 18 तारीक को दौड़ प्रतियोगिता, 20 को लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसके बाद 21 जनवरी को रक्तदान शिविर और 23 को नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर रंगोली प्रतियोगिता, पुरुस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया जायेगा। आज के इस अभियान में विभाग संयोजक अस्वनी त्यागी, पूर्व जिला संयोजक गिरजेस सैंथिया, इंजीनियर अनेक भदौरिया, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सचिन भदौरिया, मनोज श्रीवास, पुष्पेंद्र गुर्जर, अभिषेक डंडोतिया,आकाश बाथम, वीरेंद्र गुर्जर, प्रभात राजपूत, विपिन बघेल, अभिषेक शर्मा, आदि लोग उपस्थित रहे।

राजीव गांधी सेवा केंद्र पर आए हुए अतिथियों का शानदार स्वागत किया गया

रानी पाली नेनाराम सीरवी। पाली पंचायत समिति के नवनिर्वाचित प्रधान मोहनी देवी पटेल। नवनिर्वाचित उपप्रधान भारती कुमावत के प्रतिनिधि। जोगाराम कुमावत।जिला परिषद वार्ड संख्या 7 के विजेता प्रत्याशी के प्रतिनिधि भवर लाल सिरवी किसान केसरी पाली। पंचायत समिति सदस्य विजय जोशी। लक्ष्मण सिंह। लांबिया सरपंच मदन लाल मेघवाल। पाली पंचायत समिति के सरपंच संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह सोनीगरा। गुंदोज भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष उमेश सिंह सोनीगरा। रुपावास सरपंच सुरेश बंजारा। हेमावास सरपंच मोहनलाल पटेल। सोडावास सरपंच प्रतिनिधि छोगाराम सिरवी।बोमाडडा सरपंच जोगाराम सरगरा। भाजपा किसान मोर्चा के जिला प्रतिनिधि पुखराज पटेल। सांपा ग्राम पंचायत के पूर्व उप सरपंच गोपाल सिंह चंपावत।गिराडडा सरपंच मंगला राम मीणा। दयालपुरा सरपंच प्रतिनिधि भैरू सिंह राजपुरोहित। नीमली उड़ा सरपंच प्रतिनिधि ललित कुमार शर्मा। सोनाई माजी सरपंच प्रतिनिधि।एवं बाहर से आए हुए अतिथियों का राजीव गांधी सेवा केंद्र पर सरपंच हबीब खान उप सरपंच भंवर कंवर उपस्थिति में शानदार डोर टू डोर स्वागत किया गया। सम्मान समारोह को लेकर भांगेसर राजीव गांधी सेवा केंद्र पर पहली बार जिला परिषद एवं पंचायत समिति के विजेता प्रत्याशियों के साथ नवनिर्वाचित प्रधान उप प्रधान के साथ पाली पंचायत समिति के कई सरपंच एवं सरपंच प्रतिनिधियों का जोरदार स्वागत किया गया। संपूर्ण ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रधान के प्रतिनिधि पुखराज पटेल द्वारा विकास के योजना के कार्यो को लेकर ग्रामीणों को आश्वासन देकर बताया कि विकास की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। सरपंच हबिब खान द्वारा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त प्रकट किया गया।

कोविड-19 टीकाकरण का राष्ट्रीय शुभारंभ

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ भिण्ड(दैनिक पुष्पांजली टुडे)। भिण्ड जिला चिकित्सालय में कोविड 19टीकाकरण राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल के टीकाकरण केंद्र पर जिला अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के सफाईकर्मी सोनल कुमार को कोविड वैक्सीन का टीका लगाया गया वह जिला के प्रथम लाभार्थी बने वैक्सीनेशन कार्यक्रम में पहले दिन और प्रथम दस नागरिकों में वैक्सीन लगाने पर सोनल कुमार ने कहा कि में बहुत खुश हूं कि कोरोना वायरस टीकाकरण में महाअभियान अंतर्गत भिण्ड जिले में कोरोना वायरस की वैक्सीन मुझे पहले दिन लगी है मैं जिला अस्पताल में कार्यरत हूं ।कोरोना काल में भी मैने लगातार कार्य किया है।जब लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे थे तब हम फ्रंटलाईन में कार्य कर रहे थे।उन्होंने कहा कि मुझे आज वैक्सीन लगी है 28दिन बाद मुझे वैक्सीन का दूसरा डोज लगेगा मुझे खुशी है कि वेक्सिनेशन अभियान की शुरुआत हमसे हुई है उन्होंने आम नागरिकों से सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने, हाथों को सेनेटाइज करने और कोविड19की गाइड लाइन का पालन करने की अपील भी की उन्होंने प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन तथा जिला अस्पताल के चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया।जिला अस्पताल में एएनएम पद पर पदस्थ टीका लगाने वाली संध्या भदौरिया जिला अस्पताल भिण्ड में एएनएम के पद पर विगत 5बर्षों से अपनी सेवाएं दे रही हैं।संध्या भदौरिया ने कहा कि सामान्य रूप से तो हमें सेवा का अवसर रोज मिलता है किंतु देशव्यापी टीकाकरण के अवसर पर भिण्ड जिले में प्रथम टीका लगाने का जो अवसर उपलब्ध कराया गया है, इसके लिए शासन प्रशासन तथा चिकित्सालय का आजीवन आभारी रहूँगी।संध्या भदौरिया ने बताया कि वैक्सीन टीकाकरण का मुझे विधिवत प्रशिक्षण दिया गया था।कोरोना काल में भी हमने कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए अपनी सेवाएं निश्चित रूप से दी है विशेष अवसर पर टीकाकरण के लिए मेरा चयन किया जाना मेरे तथा मेरे परिवार के लिए एक उपलब्धि है।इस अवसर पर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह रावत, एडीएम अनिल कुमार चाँदील, जिला पंचायत सी ई ओ आई एस ठाकुर,सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ अनिल गोयल सहित अन्य डॉक्टर स्टॉफ मीडिया जन मौजूद रहे।

विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर संपूर्ण प्रयास किए जाएंगे

रानी पाली नेनाराम सीरवी। निकटवर्ती ग्राम पंचायत भांगेसरराजीव गांधी सेवा केंद्र पर सम्मान समारोह को लेकर सरपंच संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह सोनीगरा द्वारा बताया गया कि विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर संपूर्ण प्रयास किए जाएंगे। ग्राम पंचायत सरपंच हबीब खान उप सरपंच भंवर कंवर द्वारा राजीव गांधी सेवा केंद्र पर पाली पंचायत समिति के नवनिर्वाचित प्रधान उप प्रधान जिला परिषद एवं पंचायत समिति के विजेता प्रत्याशियों का शानदार स्वागत किया गया।पाली पंचायत समिति के कई ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सरपंच प्रतिनिधियों के साथ आए हुए अतिथियों का डोर टू डोर शानदार स्वागत ग्रामपंचायत भांगेसरसरपंच उपसरपंच एवं गणमान्य ग्रामीणों की उपस्थिति में स्वागत किया गया। जिसमें गुंदोज भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष उमेश सिंह सोनीगरा। सिरवी इंडिया परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी भवर लाल सिरवी किसान केसरी पाली। किसान मोर्चा जिला प्रतिनिधि पुखराज पटेल। उप प्रधान के प्रतिनिधि जोगा राम कुमावत। पंचायत समिति सदस्य विजय जोशी लक्ष्मण सिंह। सोडावास सरपंच प्रतिनिधि लांबिया सरपंच रुपावास सरपंच दयालपुरा सरपंच गिराडडा सरपंच सोनाई माजी सरपंच प्रतिनिधि हेमावास सरपंच आदि सहित अनेक सरपंच और सरपंच प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।सरपंच संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह सोनीगरा द्वारा सम्मान समारोह को लेकर अपने संबोधन में बताया कि विकास के योजना के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए संपूर्ण प्रयास किए जाएंगे। ग्राम पंचायत सरपंच हबीब खान उपसरपंच भंवर कंवर द्वारा आए हुए अतिथियों का आभार जताया गया।

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज को साफा व शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

नारायणलाल सैणचा

चैन्नई। आज ओपनिंग कार्यक्रम मे मुख्यअति के रुप में भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व तामीलनाडु पावन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री वह तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश सचिव आर कालुरामजी सोलंकी सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भभुतराम कुलदानीया जाट सामिल थे।

महिला संबंधी अपराधों की विवेचना तथा जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

ग्वालियर। आज पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री अविनाश शर्मा,भापुसे, उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज श्री सचिन अतुलकर,भापुसे एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में ग्वालियर महिला जागरूकता अभियान ''सम्मान'' के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व श्रीमती सुमन गुर्जर द्वारा महिला जागरूकता अभियान के दौरान अभी तक ग्वालियर पुलिस द्वारा किये गये कार्यो से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। तद्उपरान्त कार्यक्रम में उपस्थित महिला पुलिस अधिकारियों को महिला सुरक्षा से संबंधित वीडियों दिखाये गये। पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन ने इस अवसर पर कहा कि महिला संबंधी अपराधों की विवेचना समयसीमा में पूर्ण की जाना चाहिए तथा विवेचक को महिला संबंधी अपराधों की विवेचना के दौरान और अधिक संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है। आईजी ग्वालियर ने कहा कि गुम नाबालिग बालिकाओं की पतारसी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसके लिये पुलिस अधिकारियों को प्राथमिता से गुम बालिकाओं की पतारसी के प्रयास करने चाहिए। उन्होने कहा कि पुलिस को कभी भी सीमा संबंधी विवादों में न पड़कर पीड़ित की तत्काल मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित डीआईजी ग्वालियर श्री सचिन अतुलकर ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस को अपना कार्य निष्पक्ष रूप से करना चाहिए ऐसा न करने पर जनता के बीच पुलिस के प्रति गलत संदेश जाता है।

उन्होने कहा कि लोगों की पुलिस से अपेक्षाये काफी बढ़ गई हैं इसलिए पुलिस को भी उसी के अनुसार अपना दृष्टिकोण व कार्यप्रणाली में सुधार लाना पड़ेगा। महिला संबंधी अपराधों को अधिक संवेदनशीलता से देखने की आवश्यकता है तथा महिला संबंधी अपराधों को प्राथमिकता से लेकर उनका समयसीमा में निकाल करें। गुम बालिकाओं की पतारसी हेतु जनता व समाजसेवियों का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होने कहा कि महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिये सभी को आगे आना होगा तभी महिला संबंधी अपराधें को रोका जा सकता है। कार्यक्रम में महिला संबंधी अपराधों की विवेचना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिस अधिकारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिला पुलिस अधिकारी सूबेदार रूमा नाज, उप निरीक्षक सुरूचि शिवहरे, उप निरीक्षक दिव्या तिवारी, उप निरीक्षक रागिनी परमार एवं उप निरीक्षक राजकुमारी परमार है। आज के कार्यक्रम में अति. पुलिस अधीक्षक शहर पश्चिम श्री सत्येन्द्र सिंह तोमर, अति. पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व श्रीमती सुमन गुर्जर, सीएसपी ग्वालियर श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के अलावा ऊर्जा डेस्क में पदस्थ पुलिस अधिकारी तथा परिवार परामर्श केन्द्र में कार्यरत काउन्सलर उपस्थित थे।

एक नजर...

पंचायत चुनाव से पहले सपा ने बसपा में मचाई तोड़फोड़, मेरठ की मेयर समेत कई सपा में शामिल

लखनऊ। पंचायत चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने बसपा को झटका दिया है। शनिवार को करीब 400 लोगों ने सपा की सदस्यता ली है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बसपा से आए सभी सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई। सपा में शामिल होने वालों में कई बड़े दिग्गज भी बताई जा रहे हैं। पश्चिमी यूपी से मेरठ की मेयर और उनके पति ने भी सपा की सदस्यता ग्रहण की। मायावती के जन्मदिन के ठीक एक बाद हुई बसपा में तोड़फोड़ से पार्टी में खलबली मची है। पंचायत चुनाव और विधान परिषद चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने बसपा में बड़ी सेंध लगाई है। पूर्व मंत्री योगेश वर्मा के साथ बरेली से बसपा के पूर्व विधायक विजय पाल और मेरठ की महापौर सुनीता वर्मा ने शनिवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय में सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। योगेश वर्मा मेरठ के बसपा से लोकसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। योगेश को पश्चिमी यूपी में दलित बिरादरी में बड़ी पैठ रखने वाला माना जाता है। साथ ही पूर्व मंत्री अवेधश वर्मा तथा पूर्व विधायक विजय यादव ने भी सपा में अपनी वापसी की है। शनिवार को एक साथ करीब 400 समर्थकों के साथ सुनीता वर्मा और योगेश वर्मा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने की खबर से बसपा में खलबली मच गई। इनमें मेरठ के सात पार्षद भी शामिल हैं। गोरखपुर के आर एसएस के प्रचारक रहे विनीत शुक्ला भी अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुए हैं।

अखिलेश ने नए सदस्यों का किया स्वागत-बसपा को छोड़कर सपा में शामिल होने वाले सभी सदस्यों का सपा मुखिया अखिलेश यादव ने स्वागत किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा में लगातार बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। वह दूसरी पार्टियों को छोड़कर सपा में विश्वास जता रहे हैं। आज की संख्या तो ऐतिहासिक है। हम पूर्वविधायक मेरठ योगेश वर्मा का स्वागत करते हैं। साथ ही अखिलेश यादव ने पूर्व विधायक विजय पाल सिंह, पूर्व मंत्री, अवधेश वर्मा, पूर्व विधायक विजय यादव, पूर्व सांसद लखीमपुर दाउद अहमद के साथ भाजपा के पूर्व विधायक राम भारती का भी स्वागत किया। अखिलेश यादव ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में दिग्गजों के शामिल होने से पार्टी के पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ा है।

बरेली में बसपा के बोर्ड को पुतवाया-लखनऊ में बड़ी संख्या में बसपा से सपा में शामिल होने के बाद समर्थकों ने कार्यालय पर लगे बोर्ड को पुतवाना शुरू कर दिया। बरेली से विजय पाल सिंह के सपा में शामिल होने के बाद समर्थकों ने फरीदपुर पर बसपा के रंग में रंगे बोर्ड को पुतवा दिया। विजय पाल सिंह को लखनऊ में अखिलेश यादव ने करीब डेढ़ बजे सपा की सदस्यता दिलाई।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार से सवाल गरीबों को कब तक लगेगी कोरोना वैक्सीन?

लखनऊ। दुनिया के सबसे बड़े कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के शुरू होने पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने खुशी जताई है। साथ अखिलेश यादव ने वैक्सीनेशन को लेकर सरकार पर सवाल भी उठाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे खुशी है कि सरकार ने वैक्सीन का कार्यक्रम शुरू कर दिया है। अब वैक्सीन आ गई है। अखिलेश यादव ने पूछा कि गरीबों तक कोरोना वैक्सीन कब पहुंचेगी और गरीबों को वैक्सीन मुफ्त में देंगे कि नहीं। उन्होंने कहा कि हम हपनी सरकार से जानना चाहते हैं कि इनका कार्यक्रम क्या है, सभी लोगों को कब तक वैक्सीन लग जाएगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आपके स्टाफ, डॉक्टर्स और टेक्निकल लोगों को ट्रेनिंग दे दी गई है, जहां वैक्सीन लगनी है क्या वहां पर्याप्त फंड पहुंचा दिए गए हें। पता लगा है कि जहां केन्द्र बनाए गए हैं, वहां अभी तक फंड ही नहीं पहुंचाया गया है। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपके स्टाफ, डॉक्टर्स और टेक्निकल लोगों को ट्रेनिंग दे दी गई है। जहां वैक्सीन लगनी है क्या वहां पर्याप्त फंड पहुंचा दिए गए हैं। पता लगा है कि जहां केंद्र बनाए गए हैं वहां अभी तक फंड नहीं पहुंचाया **यूपी में 31700 लोगों को लगेगी कोरोना वैक्सीन**-यूपी में शनिवार को चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत 31,700 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। सबसे पहले यह वैक्सीन हेल्थ वर्कर्स को लगाई जाएगी। वैक्सीनेशन लगाने का काम जारी है। प्रधानमंत्री द्वारा वैक्सीन लांच करने के बाद इसे पूरे देश में शुरू कर दिया गया है। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने बताया कि यूपी में 10, लाख 55 हजार 500 कोविशील्ड और 20,000 कोवैक्सीन के इंजेक्शन मिल चुके हैं। विभाग ने पूरी तरह कमर कस ली है। प्रदेश के 8 लाख 57 हजार हेल्थ वर्कर्स के नाम सूचीबद्ध किए गए हैं। पहले इसकी क्षमता 80,000 लीटर थी, लेकिन इसे बढ़ाते हुए दो लाख 3 हज़ार लीटर कर दी गई है।

पूरी तरह सुरक्षित है वैक्सीन-स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वैक्सीन आईसीएमआर के सभी मानकों पर खरी उतरी है। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। इसे सभी को लगवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के टीकाकरण की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों में हर श्रेणी के लोग शामिल किए जाएंगे। इसमें डाक्टर, नर्सें, सफाई कर्मी और वार्ड ब्वाय आदि को बराबर से शामिल किया जाएगा।

वी विन शील्ड को किया लांच-अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि विभाग कोरोना से लड़ने और जीतने के लिए पूरी तरह कमर कस चुका है। विभाग ने वी-विन शील्ड बनाई है और इसे पहन कर ही सभी स्वास्थ्य कर्मी आदि कल वैक्सीन लगाने का काम करेंगे। इसके जरिये यह संदेश दिया जाएगा कि हम कोरोना से हर हाल में जीतेंगे।

डांस सिखाने के बहाने 12 साल की लड़की से लेखपाल ने की दरिंदगी की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को एक लेखपाल को 12 साल की बच्ची से दरिंदगी से पहले ही दबोच लिया गया। लेखपाल डांस सिखाने के बहाने बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ रेप की कोशिश की। बच्ची ने उससे बचने के लिए छत से कूदने की कोशिश की लेकिन तब तक आसपास के लीगों ने देख लिया और उसे बचाया। पुलिस ने लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची का बयान महिला अधिकारी ने लिया है। बताया जाता है कि लेखपाल पहले भी एक बच्ची से अश्लीलता के आरोप में पकड़ा गया था और सस्पेंड भी हुआ था। बताया जाता है कि राजातालाब तहसील में कार्यरत लेखपाल राम बहाल मौर्य लालगंज थाना क्षेत्र के हुकुलगंज में रहता है। इस समय उसके परिवार के सारे सदस्य बाहर गए हुए थे। लेखपाल शनिवार सुबह डांस कंपटीशन में हिस्सा दिलाने के बहाने मुहल्ले की ही बच्ची के घर पहुंचा। बच्ची के दादा से बात कर उसे अपने साथ घर ले आया। घर में बच्ची के साथ जबरदस्ती करने लगा। बच्ची ने विरोध किया तो उसको मारा पीटा भी। बच्ची ने पानी पीने का बहाना किया। लेखपाल के रसोई में जाते से उसका दरवाजा बच्ची ने बाहर से बंद कर दिया।

एमपी में राम मंदिर निर्माण के लिए चलाए जा रहे

धन संग्रह में एक दिन में जुटे 15 करोड़ रुपए

भोपाल। मध्य प्रदेश के अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर के निर्माण के लिए राज्य में धन संग्रह अभियान जारी हो गया है और इस अभियान के पहले दिन ही करीब 15 करोड़ रुपए जूता लिए गए हैं। राज्य के धन संग्रह अभियान में सूबे के सी.एम. शिवराज सिंह चौहान ने एक लाख 21 हजार, भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ने वेतन से एक लाख 11 हजार 111 रुपए और अपने अखाड़े की तरफ से 11 लाख 11 हजार 111 रुपए दिए। वहीं, इंदौर के उद्योगपति विनोद अग्रवाल ने एक करोड़ रुपए दिए। एक लाख से अधिक राशि देने वालों की संख्या देर शाम तक 50 से अधिक हो गई। प्रदेश के छह हजार स्थानों पर एक साथ 15 हजार टोलियां धन संग्रह अभियान के लिए निकली हैं। ये घर-घर जाएंगी। भोपाल और ग्वालियर संभाग में पांच हजार टोलियां हैं। इन सभी की मॉनिटरिंग भोपाल से हो रही है।

दूसरे समुदाय के लोगों ने भी सहयोग किया है। इस पहल का ही परिणाम है कि पहले दिन अच्छी खासी राशि एकत्रित हुई है। इधर, इंदौर के साथ

मालवा प्रांत में स्वयंसेवकों की 2200 टोलियों में शामिल एक लाख कार्यकर्ता शहर की हर कॉलोनी, हर गली-मोहल्ले में पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री से उनके निवास पर निधि संग्रह अभियान का दायित्व निर्वहन कर रहे पदाधिकारियों ने भेंट की। शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर को सौभाग्यशाली बताया। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले पदाधिकारियों में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के निधि समर्पण अभियान के केंद्रीय सह अभियान प्रमुख विनायक राव देशपांडे के अलावा अशोक पांडे, राजेश तिवारी, खगेंद्र भार्गव, पीताम्बर राजदेव और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज उनके लिए जीवन का सबसे सौभाग्यशाली दिन रहा। ऐसा लगा जैसे मानव जीवन सफल हो गया। श्रीराम मंदिर के निमार्ण में एक ईंट उनके परिवार की भी लगेगी। राम मंदिर नहीं, सचमुच में यह राष्ट्र मंदिर है। सीएम ने लिखा है, राम हमारे अस्तित्व हैं, राम हमारे आराध्य हैं, राम हमारे प्राण हैं, राम हमारे भगवान हैं और श्रीराम भारत की पहचान हैं। बिना राम के यह देश नहीं जाना जा सकता है। राम हमारे रोम रोम में रमे हैं। राम हमारी हर सांस में बसे हैं।

जहरीली शराब से मौतों के मामले में सीएम शिवराज सिंह ने बुलाई बैठक

भोपाल। जहरीली शराब से मौतों की घटना पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 जनवरी को दोपहर 3 बजे बैठक बुलाई है। वहीं, मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल इसी दिन अपनी रिपोर्ट भी सरकार को सौंप देगी। घटना के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव गृह डॉ.राजेश राजौरा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए. साईं मनोहर, सदस्य उप पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला की टीम तीन दिनों से पूरी घटना की जांच कर कर रही है। मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि, मुरैना में जहरीली शराब पीने से 24 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि प्रदेश में पिछले 9 माह में यह आंकड़ा 46 है। लगातार जहरीली शराब से हो रही घटनाओं को सी.एम. ने गंभीरता से लिया है। संभावना है कि एसआईटी शनिवार तक जांच पूरी कर मुरैना से भोपाल वापस आ जाएगी और अपनी रिपोर्ट सोमवार को मुख्य सचिव को सौंप देगी। यही वजह है कि मुख्यमंत्री ने सोमवार बैठक बुलाई है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री कलेक्टरों व पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश दे सकते हैं। इस मामले पर अधिकारियों ने कहा, चिंता की बात यह है कि मुरैना में जिस जहरीली शराब से 24 लोगों की मौत हुई है, उसमें इस्तेमाल ओवर प्रूफ एल्कोहल डिस्टलरी और वॉटलिंग प्लांट से पहुंच रहा था। आबकारी विभाग की यह बड़ी चूक एसआईटी ने जांच के दौरान पकड़ी है। चेरा और तोर गांव में 1 हजार लीटर ओवर प्रूफ एल्कोहल बरामद भी हुआ है। जबकि डिस्टलरी और वॉटलिंग प्लांट में आबकारी विभाग का अमला तैनात रहता है।

शिवराज सिंह चौहान मप्र में हमीदिया अस्पताल से करेंगे टीकाकरण अभियान की शुरुआत

भोपाल। देश के साथ ही मध्य प्रदेश में भी आज कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य प्रारंभ होगा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान यहां हमीदिया अस्पताल में वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शिवराज सिंह चौहान ने लगभग सवा दस बजे हमीदिया अस्पताल पहुंचकर वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे विमान से रीवा के लिए रवाना होंगे। चौहान अब सिंगरौली जिले के वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे, हालाकि सिंगरौली और शहडोल जिले के प्रवास के दौरान शेष कार्यक्रम यथावत रहेंगे।

सूत्रों ने कहा कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत सभी 52 जिलों में आज प्रधानमंत्री के वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधन के साथ वैक्सीनेशन कार्य शुरू हो रहा है। प्रथम चरण में राज्य में स्वास्थ्य कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों को कोरोना वैक्सीन लगायी जाएगी। पहले चरण में चार लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन दी जाएगी।

मध्य प्रदेश जहरीली शराब कांड

पुलिस ने सात आरोपियों में से दो को हिरासत में लिया

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में जहरीली शराब मामले में पुलिस ने सात आरोपियों में से दो को शुक्रवार को हिरासत में लिया। मध्य प्रदेश के

मुरैना जिले में हुई इस घटना में अबतक 24 लोगों की मौत हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों की पहचान बृजकिशोर शर्मा और रामवीर राठौर के रूप में की गई है। वे दोनों कथित तौर पर अवैध शराब बेचने में संलिप्त थे। इन दोनों ने भी जहरीली शराब का सेवन किया था और वे फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं।

चंबल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) राजेश हिंगणकर ने शुक्रवार पीटीआई-भाषा को बताया कि शर्मा और राठौड़ को क्रमशः ग्वालियर और मुरैना के अस्पतालों में पुलिस निगरानी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पांच अन्य आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। जिले के दो गांवों में सोमवार रात जहरीली शराब पीने से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब पीने से बीमार हुए 15 लोगों का उपचार ग्वालियर और मुरैना के अस्पतालों में किया जा रहा है। पीड़ितों में मानपुर और पहावली गांव के लोग शामिल हैं। इस घटना की जांच के लिए गुरुवार को गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम मानपुर और अन्य प्रभावित इलाकों में गई थी। समिति के अन्य सदस्यों में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) ए साईं मनोहर और उप महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला शामिल हैं। पुलिस ने मामले में सात लोगों के खिलाफ भादवि की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) तथा आबाकारी अधिनियम की संबद्ध धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

वाराणसी में लेखपाल ने बच्ची से की दरिंदगी की कोशिश, बालिका को छत से कूदते देख लोगों ने बचाया

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को एक लेखपाल को 12 साल की बच्ची से दरिंदगी से पहले ही दबोच लिया गया। लेखपाल डांस सिखाने के बहाने बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ रेप की कोशिश की। बच्ची ने उससे बचने के लिए छत से कूदने की कोशिश की लेकिन तब तक आसपास के लोगों ने देख लिया और उसे बचाया। पुलिस ने लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची का बयान महिला अधिकारी ने लिया है। बताया जाता है कि लेखपाल पहले भी एक बच्ची से अश्लीलता के आरोप में पकड़ा गया था और सस्पेंड भी हुआ था। राजातालाब तहसील में कार्यरत लेखपाल राम बहाल मौर्य लालगंज थाना क्षेत्र के हुकुलगंज में रहता है। इस समय उसके परिवार के सारे सदस्य बाहर गए हुए थे। लेखपाल शनिवार सुबह डांस कंपटीशन में हिस्सा दिलाने के बहाने मुहल्ले की ही बच्ची के घर पहुंचा। बच्ची के दादा से बात कर उसे अपने साथ घर ले आया। घर में बच्ची के साथ जबरदस्ती करने लगा। बच्ची ने विरोध किया तो उसको मारा पीटा भी। बच्ची ने पानी पीने का बहाना किया। लेखपाल के रसोई में जाते से उसका दरवाजा बच्ची ने बाहर से बंद कर दिया। तुरन्त बाहर जाने के लिए भागी लेकिन गेट लॉक था। ऐसे में वह छत के रास्ते बाहर निकलने की कोशिश की। आस-पड़ोस के लोगों ने लेखपाल के घर की छत से बच्ची को कूदने की कोशिश करते देखा तो सन्न रह गए। उसे किसी तरह रोका और पुलिस को सूचना दी। क्षेत्रीय पार्षद बृजेश श्रीवास्तव समेत तमाम लोग मौके पर जुटे और लेखपाल के घर को घेर लिया। आस पड़ोस के लोग किसी तरह दूसरे घरों से लेखपाल की छत पर पहुंचे। मौके पर पहुंची पुलिस ने लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया और बच्ची का बयान लिया गया। पार्षद के अनुसार लेखपाल पहले भी एक बच्ची से अश्लीलता में पकड़ा गया और सस्पेंड हुआ था। लेकिन बाद में पैसे के बल पर छूट गया था।

किसान आंदोलन : हेमा मालिनी ने किसानों से पूछा, नए कृषि कानूनों में खराबी क्या है?

मथुरा। भाजपा सांसद हेमामालिनी ने कहा है कि किसान समस्या को बेकार में बढ़ा रहे हैं। किसान सरकार का साथ दें। विपक्ष के बहकावे में न आएं। कृषि कानून सही हैं। कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन के बाद मथुरा आईं सांसद हेमामालिनी ने बुधवार को वृंदावन स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि किसानों को बताना चाहिये कि कृषि कानूनों में क्या खराबी है। उन्हें बताना चाहिये कि उन्हें इसमें क्या चाहिये। समझे बगैर किसान इसका विरोध कर रहे हैं, कृषि कानून सही हैं। उन्होंने कहा कि वार्ता के दौरान किसान कमी नहीं बता पाते और सिर्फ यह कहते हैं कि इन तीनों कानूनों को वापस करो। भाई वापस क्यों करें, यह तो बताओ। सांसद ने कहा कि विपक्ष द्वारा इन किसानों को भड़काया जारहा है। इसीलिए ये किसान नहीं समझ रहे हैं। अगर वह इसे समझेंगे तो ये कृषि कानून बहुत अच्छे रहेंगे। हेमामालिनी ने कहा कि कांग्रेस अपनी सरकार के दौरान खुद इन कानूनों को लागू करना चाहती थी लेकिन अब भाजपा, प्रधानमंत्री मोदी किसानों के हित में ये कृषि कानून लाये हैं तो यह कानून अच्छे क्यों नहीं हैं? उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ विरोध कर रहा है। अच्छी बातों का भी वह विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक इतना कुछ किया है कि लोग हैरान हैं कि इतना हो कैसे रहा है। काश्मीर में धारा 370 हटायी जो अब तक कोई नहीं कर सका। प्रधानमंत्री मोदी के लिए सिर्फ देश है।

टीटीजेड का कम हो दायरा-सांसद ने कहा कि टीटीजेड के दायरे में मथुरा का बड़ा हिस्सा आने के कारण यहां पर बड़े उद्योग नहीं लग पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रयास करेंगीं कि टीटीजेड का दायरा कम किया जाए, जिससे यहां बड़े उद्योग लग सकें और लोगों को रोजगार मिले। उन्होंने बताया कि मथुरा में बड़े उद्योग लगाने के लिए उन्होंने कई उद्योगपतियों से बात की है और उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया है। हेमामालिनी ने कहा कि उनके मित्र और फिल्म जगत के जाने-माने चेहरे संजय खान आगरा के समीप डिजनीलेंड की तरह एक प्रोजेक्ट लगाने के प्रयास में थे लेकिन बाद में कुछ परेशानी आने पर उन्होंने विचार त्याग दिया।

अंतर्राज्यीय क्रिकेट महाकुंभ के छठवें दिन दिल्ली ने सेमीफाइनल जीत कर बनाई फाइनल में बनाई जगह

दबोह(अर्पित गुप्ता)। पूर्व मंत्री लहार विधायक डॉ.गोविन्द सिंह के पिता स्वर्गीय मथुरा सिंह फाउंडेसन समिति दबोह के तत्वाधान में खेले जा रहे 15 वे अंतराज्यीय क्रिकेट टूनामेंट महाकुंभ 11 जनबरी से 17 जनबरी तक दबोह के शासकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर खेला जा रहा है।कार्यक्रम में शुभारंभ के छटवें दिन मुख्यातिथि के रूप में पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिंडौलिया मौजूद रहे।तो वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप किसान कंग्रिस के जिलाध्यक्ष मेहबूब खान व मौ कंग्रिस के वरिष्ठ कार्यकर्ता तिलक राजौरिया मौजूद रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सेवी गुलाब सिंह यादव ने की।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम मंत्री डॉ.गोविंद सिंह के पिता स्व.मथुरा सिंह के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किये।उसके बाद आयोजन समिति के अध्यक्ष रमाशंकर चौधरी एबं सचिव चौधरी हाकिम सिंह ने मौजूद अतिथियों का खिलाड़ियों से परिचय कराया।वहीं मंच पर जनता को सम्बोधित करते हुए मुख्यातिथि रामनारायण हिंडोलिया ने कहा कि खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता एक अच्छा खिलाड़ी खेल भावना से अपने खेल का प्रदर्शन करता है उसको ना तो जीतने का मोह होता है और ना हारने पर दुख क्योकि खेल भावना ही असली खिलाड़ी भावना है आजकल खिलाड़ी में खेल

भावना की भारी कमी देखी जाती है और इसका मुख्य कारण यह है कि हम खेल को जीवन की परीक्षा समझ बैठे है यहाँ हर किसी को जीतना है फिर चाहे खेल से प्रेम हो या ना हो इसी के साथ उन्होंने आयोजन समिति को लगातार हर वर्ष कराए जा रहे इस सफल टूर्नामेंट आयोजन के लिए बधाई दी। वहीं क्रिकेट टूर्नामेंट के छटवे दिन में पूल बी का सेमीफाइनल मैच जबलपुर व एलबीएस देल्ही के बीच खेला गया।जिसमे दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।दिल्ली ने बैटिंग करते हुए 129 रन बनाकर मात्र 22.2 ओवर में ही धराशायी हो गयी।जिसमे दिल्ली की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए निखिल कुमार ने 20 गेंदों में 37 रन बनाए।जबाब में मैदान में उतरी जबलपुर 24.2 ओवर में 111 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी और दिल्ली ने यह मैच जीत लिया।जिसमे दिल्ली से निखिल कुमार मैंन ऑफ द मैच रहे।अंत मे मैन ऑफ द मैच का यह पुरूस्कार वरिष्ठ समाजसेवी गुलाब सिंह यादव के द्वारा प्रदान किया गया।मैच का आँखों देखा हाल रजनीश पालीवाल सर,रामनारायण सर,श्याम् राजोरिया,रामू श्रीवास्तव एवं जीएस कौरव द्वारा सुनाया गया इस मौके पर लाखो दर्शको ने मैच का आनंद लिया कार्यक्रम में आयोजन समिति के सचिव चौधरी हाकिम सिंह संरक्षक नाजिम खान,सहसचिव दबोह नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष रूपनारायण खटीक,पूर्व पार्षद सनाउल्ला खान,स्कोरर ईमरान सर,नीरज यादव,पबन कुशबाह ,दिलीप सोनी,हिमांशु मुदगल मौजूद रहे।इस अवसर पर मुजीब खान,दिलीप नायक,पंकज शर्मा,विनय बिलैया ,सुनील पाल,राकेश रजक,मुबीन खान आदि लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

निजता का हक

पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश सहित कुछ राज्यों में अंतरधार्मिक विवाहों के मसले पर जिस तरह के उथल-पुथल मची है, उसमें यह आशंका खड़ी हो रही थी कि अगर दो बालिग अपनी पसंद और चुनाव से विवाह करना चाहते हैं तो उनका जीवन सहज कैसे रहे।

खासतौर पर उत्तर प्रदेश में कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें अलग-अलग धर्मों से संबंधित जोड़ों को लव जिहाद पर बने नए कानून के तहत पुलिस की ओर से कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके समांतर एक अहम पहलू यह है कि अब तक अपनी पसंद से अगर कोई बालिग युवक और युवती विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी करना चाहते हैं तो उनके नाम पर तीस दिन पहले सार्वजनिक तौर पर नोटिस जारी होती है, ताकि इस पर कोई आपत्ति दर्ज कर सके।इससे आमतौर पर वैसे युवा जोड़ों के सामने कई तरह की मुश्किलें खड़ी होती रही हैं, जिनकी पसंद में उनके अभिभावकों और समाज की सहमति शामिल नहीं होती है। जाति और धर्म की कसौटी पर अलग होने की स्थिति में अक्सर ऐसे जोड़ों को किन हालात का सामना करना पड़ता है, यह किसी से छिपा नहीं है। अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मसले पर जो फैसला सुनाया है, उसके तहत दो बालिगों के चुनाव और निजता को अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। बुधवार को अदालत ने साफतौर पर कहा कि विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी के तीस दिन पहले जरूरी तौर पर नोटिस देने का नियम अनिवार्य नहीं है और इसे वैकल्पिक बनाना चाहिए; इस तरह का नोटिस निजता का हनन है।

सभी जानते हैं कि ऐसी स्थिति में पसंद, चुनाव और विवाह के लिए सहमति के बावजूद ऐसे जोड़ों पर किस तरह का सामाजिक दबाव पड़ता है। यह सीधे तौर पर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार में भी दखल है। कहा जा सकता है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाज और परिवार के दायरे से अलग अपनी पसंद से विवाह करने वाले बालिग युवाओं के हक में एक बेहद अहम फैसला दिया है। खासतौर पर ऐसे वक्त में जब कई राज्यों में भिन्न धार्मिक मत वाले जोड़ों या अपनी पसंद से विवाह के इच्छुक युवक-युवतियों के सामने कई तरह चुनौतियां खड़ी हो रही थीं। सही है कि विवाह एक ऐसी परंपरा है, जिसमें समाज शामिल होता है। लेकिन भारतीय समाज में परंपराएं और उनके तहत प्रचलित मान्यताएं व्यवहार में इतनी ज्यादा घुली हुई हैं कि कई बार इसमें अलग तरीके अपनाने वालों को गंभीर अड़चनों का सामना करना पड़ जाता है।

विवाह के मामले में आमतौर पर वर और वधू के परिवारों के बीच आपस में सहमति होती है और इसके सार्वजनिक आयोजन से किसी पक्ष को परेशानी नहीं होती है। जबकि किन्हीं हालात में बालिग लड़के और लड़की के बीच विवाह की सहमति का आधार जब अपनी पसंद और चुनाव होता है और उसमें अभिभावक शामिल नहीं होते हैं, तब कई बार परिवार और समाज में उसे सहज स्वीकार्यता नहीं मिल पाती है। खासतौर पर जाति और धर्म के रूढ़ दायरों में जीते समुदायों में विवाह के लिए इससे इतर रास्ता अख्तियार करने वाले जोड़ों का सफर आसान नहीं होता है। हालांकि समाज की परंपरा और मानस के समांतर देश का संविधान दो बालिग युवक-युवती की पसंद को जगह देने के लिए विशेष व्यवस्था करता है, ताकि बाधा या अड़चन की स्थिति में युवा वैकल्पिक तरीके से विवाह कर सकें। ऐसे में इलाहाबाद हाईकोर्ट के ताजा फैसले से वैसे बालिग युवकों-युवतियों को बड़ी राहत मिलेगी जो विवाह के मामले में अपनी निजता बना कर रखना चाहते हैं।

विनाश रचती जंगल की आग

अखिलेश आर्येंदु

जंगलों में आग लगने की समस्या केवल उत्तराखंड की नहीं है। हिमाचल, जम्मू, छत्तीसगढ़, असम, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में भी हर वर्ष जंगल जलते हैं और मनुष्य अपने स्वार्थ में तमाशबीन बना दिखता है। समस्या एक स्तर पर हो, तो उसका समाधान भी किया जा सकता है। लेकिन यहां तो समाधान करने वाले ही समस्या पैदा कर रहे हैं।पिछले साल आस्ट्रेलिया के बहुत बड़े इलाके में खड़े जंगल तबाह हो गए। भारत में भी पिछले साल आग की कई घटनाएं घटीं। कुछ बड़ी घटनाओं में अनेक लोग मारे गए। यों आग की घटनाएं अब दुनिया में साल के बारहों महीने होती रहती हैं, पर गर्मी में कुछ ज्यादा घटती हैं, जिनसे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी और सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं।

राज्य सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। पिछले कुछ सालों में अब तक आग की साढ़े बाईस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिसमें करोड़ों की संपत्ति जल कर खाक हो चुकी है। मवेशी और जन-धन की जो हानि हुई, वह अलग। इधर कुछ सालों में देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

यों तो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर इन दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है, वैसे अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षों में आग की हजारों छोटी-बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं, जिनसे लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए। जैविक विविधता नष्ट हुई है और जीव-जंतु मारे गए हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत के पचास फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। जब पांच वर्ष पहले कार्बेट जल कर खाक हो गया था, तब आग की चपेट में आकर लाखों जीव-जंतु मारे गए और बेशकीमती औषधियां आग की भेंट चढ़ गई थीं।

पिछले दस सालों में उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू में इस तरह की कई भीषण घटनाएं घटीं, लेकिन उनसे राज्य सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा। शहरों में तो दमकल के जरिए आग पर काबू पा लिया जाता है, लेकिन पहाड़ी इलाकों में काबू पाना मुश्किल होता है। आमतौर पर गर्मी के महीनों में हर वर्ष जंगली क्षत्रों में आग लगती ही है। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं।

पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर

प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर-पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। धीरे-धीरे यह परंपरा बन जाएगी और जगलों की विविधता और हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियर पिघलने की बढ़ती समस्या को भी काफी हद तक रोका जा सकता है। पहाड़ी इलाकों के रहवासियों का पालन-पोषण जंगल ही करते रहे हैं। फल-फूल, मेवे, औषधियां, जलाऊ और इमारती लकड़ियां भी जंगलों से आराम से मिल जाती थीं। जंगल लोगों को पालते थे और लोग जंगलों की सुरक्षा करते थे। 1970 के दशक में जंगल बचाने और पर्यावरण की रक्षा के लिए आंदोलन चलाए गए, जिसमें शिक्षित और अशिक्षित महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

जंगलों की रक्षा के लिए यह आंदोलन दुनिया भर की महिलाओं के लिए नजीर बन गया। 1988 में केंद्र सरकार ने जो वन नीति बनाई थी उससे जंगलों को संरक्षित करने और उनका विस्तार करने में सहूलियत तो मिली, लेकिन उत्तराखंड बनने के बाद जिस तरह बनों में माफिया, तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिली-भगत से लूट मची, उससे उत्तराखंड बनने का उद्देश्य खंड-खंड हो गया। उत्तराखंड में देश-विदेश की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां यहां की अमूल्य संपदा का दोहन कर पूरे इलाके को खोखला करने में लगी हुई हैं। रोजगार देने और खुशहाली का नया दौर शुरू करने का सब्जबाग दिखाने वाली ये कंपनियां राज्य सरकार से खाद-पानी पाती रही हैं। राज्य सरकार अवैध निर्माण, जगली जंतुओं के शिकार, अवैध खनन और वन की अमूल्य औषधियों और लकड़ियों की तस्करी रोकने में विफल रही है।

पहाड़ के निवासियों द्वारा उत्तराखंड निर्माण के समय देखे गए स्वप्न जंगलों के साथ लगातार जलते आए हैं। हर बार चुनाव के समय हर पार्टी उत्तराखंड को सबसे खुशहाल राज्य बनाने का वादा करके सत्ता में आती है और सत्ता मिलते ही वह अपना नफा-नुकसान केवल पर्यटन को बढ़ावा देने और नई-नई देशी-विदेशी कंपनियों के जरिए लाभ कमाने पर सारा ध्यान केंद्रित करती है। शुभ सोचने और करने पर कभी गौर ही नहीं किया जाता। इस प्रदेश की मूल समस्याओं के लिए कोई ठोस, दूरगामी योजनाएं नहीं बनाई जातीं। इसका परिणाम यह हुआ है कि इस प्रदेश की समस्याएं पिछले बीस वर्षों में अधिक तेजी के साथ बढ़ी हैं।

उत्तर प्रदेश को खंडित करके जब उत्तराखंड का निर्माण हुआ था, उस वक्त इस इलाके के लोगों को लगा था कि उनकी एक मुराद पूरी हो गई, अब कहीं अधिक तेजी के साथ इस प्रदेश को अपने स्वप्नों का प्रदेश बनाएंगे। राजनेताओं ने भी जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे। उसमें एक वादा यह भी था कि इस प्रदेश की मूलभूत समस्या- सड़क, बिजली और पानी को हल करने को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक व्यक्ति को रोजगार मिलेगा। पलायन के लिए किसी को मजबूर नहीं होना पड़ेगा। लेकिन इसमें से एक भी समस्या हल नहीं हो पाई, बल्कि दूसरी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बाढ़, बारिश और वन की आग की समस्याओं का लगातार बढ़ते जाना, इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इन समस्याओं का जिम्मेदार पंचानबे प्रतिशत तक मानव ही है, जो अपने स्वार्थ में इस क्षेत्र की विविधता का दोहन करता आ रहा है।

जंगल जला, तो इस इलाके का आधार ही जल कर खाक हो गया। देवभूमि कहा जाने वाला यह पहाड़ी प्रदेश अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है और इसके आंसू पोंछने वाला न तो शासन, प्रशासन आगे आ रहा है और न तो स्थानीय लोगों को साथ लेकर कोई नया आंदोलन खड़ा हो पा रहा है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि आग की विकराल होती लपटें पहाड़ों को पिघला रही हैं और निकलते धुंए हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों पर जमते जा रहे हैं। इससे कार्बन के कण गर्मी अधिक सोख रहे हैं, जिससे आने वाले समय में तापमान बढ़ने से ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार बढ़ गई है।

इससे जहां टिहरी बांध पर दबाव बढ़ेगा, वहीं निचले इलाकों में बाढ़ के विनाशकारी रूप लेने की अशंका बढ़ गई है। दूसरी ओर यह भी बताया जा रहा है कि आने वाले वर्षों में जंगल की आग के कारण उत्तर भारत का तापमान 0.2 डिग्री बढ़ सकता है और इससे मानसून प्रभावित हो सकता है। जंगल की आग को रोकने के लिए यों तो अनेक नई-नई तकनीकें इस्तेमाल की जाने लगी हैं, जिसमें कृत्रिम वर्षा कराना, विमान और ड्रोन से रासानिक झाग का छिड़काव और मिट्टी का छिड़काव प्रमुख हैं। लेकिन ये सभी तरीके बहुत महंगे और भारत जैसे गरीब देश के लिए अभी संभव नहीं दिखते।

दरअसल, जगलों में आग लगने की समस्या केवल उत्तराखंड की नहीं है। हिमाचल, जम्मू, छत्तीसगढ़, असम, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में भी हर वर्ष जंगल जलते हैं और मनुष्य अपने स्वार्थ में तमाशबीन बना दिखता है। समस्या एक स्तर पर हो, तो उसका समाधान भी किया जा सकता है। लेकिन यहां तो समाधान करने वाले ही समस्या पैदा कर रहे हैं।

समलैंगिक संबंध उचित या अनुचित

ईश्वर की बनाई दुनिया में इंसानी मन में सहस्त्र तृष्णाएं पनपती है, कोई क्यास नहीं लगा सकता किसीकी मानसिकता का बस अनुमान लगाते समीक्षा या आलोचना कर सकते है। समाज में बहुत सारे ऐसे मुद्दे है जो हमारा ध्यानाकर्षित करते है, उनमें से एक मुद्दा है समलैंगिक संबंध विपरित लिंग के दो व्यक्तियों में प्रेम संबध सहज है और स्वीकार्य भी पर समलैंगिक व्यक्तियों की क्या मानसिकता रहती होगी ये सोचनिय बाबत है। बहुत से लोग इस विषय को छेड़ने से कतराते है पर ये समाज की सच्चाई है जिसे हम नज़र अंदाज़ नहीं कर सकते। प्रकृति ने महिला और पुरुष को एक-दूसरे के पूरक के रूप में दरज्जा दिया है। इसीलिए विपरीत लिंगों के लोगों का एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होना सामान्य घटना है। लेकिन आधुनिक होते समाज में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है जिन्हें हम समलैंगिकों की श्रेणी में रखते हैं। जिन लोगों को समाज समलैंगिक कहता है वह विपरीत लिंग के बदले समान लिंग के लोगों के प्रति शारीरिक आकर्षण रखते हैं, वहीं समान और विपरीत दोनों के ही प्रति समान रूप से भी आकर्षित होते हैं। क्या वजह रहती होगी ऐसी मानसिकता की ? बड़े-बड़े समीक्षकों के द्वारा कई तर्क- वितर्क होते रहे है इस विषय पर। कोई कहता है ये मानसिकता एक बीमारी है, तो कोई कहता है इंसान की अपनी पसंद है। वैसे देखा जाए तो हर इंसान को अपनी पसंद अनुसार जीने का पूरा हक है। सोचना ये है की हम इस विषय का मूल्यांकन किस आधार पर करते है। क्या ये सहज बाबत है, ऐसे संबंधों को मान्यता मिलनी चाहिए? या ऐसी मानसिकता का बहिष्कार करना चाहिए ? दो मर्दो के बीच ऐसे संबंध वाले को गे का उपनाम दिया जाता है और ऐसे संबंध वाली दो महिलाओं को लेस्बिएन कहा जाता है। समलैंगिकों के हक़ में सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा-377 की क़ानूनी वैधता पर मोहर लगा दी है की अब आपसी सहमति से दो समलैंगिकों के बीच बनाए गए संबंध को आपराधिक कृत्य नहीं माना जाएगा। कोई कहता है समलैंगिकता कोई मानसिक विकार नहीं है बल्कि यह सेक्सुअलिटी का एक सामान्य रूप है। तो कोई इसे व्यभिचार और चरित्रहीनता मानते है। अदालत के फ़ैसले से परे ले धर्म की बात करें तो धर्मो में समलैंगिक संबंधों को किस रूप में देखा गया है ? सवाल ये है कि क्या धर्म में

समलैंगिक संबंध अप्राकृतिक व्याभिचार या पाप है? उसमें भी ये विषय मतमतांतर पर चला आ रहा है। समलैंगिकता वाली बहस हमेशा ही पाखंड और दोहरे मापदंडों की वजह से गलत ट्रैक पर जाकर अटक जाती है। भगवान शिव का एक रूप अर्धनारीश्वर वाला है जिसे आज की भाषा में एंड्रोजीनस सैक्सुअलिटी की सहज स्वीकृति कहा जा सकता है। मिथकीय आख्यान में विष्णु भगवान का मोहिनी रूप धारण कर शिवजी को रिझाना किसी भी भक्त को अप्राकृतिक अनाचार नहीं लगता। समलैंगिकता का काल्पनिक स्रोत महाभारत में अर्जुन की मर्दानगी बृहन्नला बनने से कलंकित नहीं हुई, सहज भाव से अर्जुन ने अपनाया था। शिखंडी का लिंग परिवर्तन शायद सेक्स रिअसाइनमेंट का पहला उदाहरण होगा। कालजयी उपन्यास वात्स्यायन के कामसूत्र में निर्मोछिए चिकने नौकरों, मालिश करने वाले नाइयों के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले पुरुषों का बखान विस्तार से किया गया है उस पर महानुभावों की बहस पहले कभी सुनी नहीं बल्कि इस संभोग सुख के तरीक़े भी दर्ज हैं। खजुराहो के शिल्प में भी ऐसे संबंधों को उजागर करते हुए पाया गया है, कई जगह दो स्त्रियों को रतिक्रिड़ा करते भी दर्शाया गया मतलब ये मानसिकता सदियों पुरानी है। सुप्रसिद्ध साहित्यकार ऑस्कर वाइल्ड से लेकर क्रिस्टोफ़र इशरवुड तक विलायती अभिजात्य वर्ग के लोग बेड ब्रेकफ़ास्ट एंड बॉय की तलाश में मोरक्को से लेकर मलाया तक घूमते रहे है। अपनी मानसिकता छुपाते नहीं। दुर्भाग्य यह है कि पाखंड और दोहरे मानदंडों के कारण एलन ट्यूरिंग जैसे प्रतिभाशाली गणितज्ञ, वैज्ञानिक और कोड ब्रेकर को उत्पीड़न के बाद आत्महत्या करने की नोबत आई थी। 21वीं सदी के पहले चरण में वैज्ञानिक शोध यह बात अकाट्य रूप से प्रमाणित कर चुका है कि समलैंगिकता रोग या मानसिक विकृति नहीं है। इसे अप्राकृतिक नहीं कही जा सकता, जिनका रुझान पसंद इस संबंध की ओर होता है उन्हें इच्छानुसार जीवनयापन के बुनियादी अधिकार दिए जाने चाहिए। फिर भी कुछ ज्ञाताओं को ये बात रुचिकर नहीं लगती और कहीं समीक्षा तो कहीं आलोचना होती रहती है और होती रहेगी शायद ऐसे संबंधों से जुड़ने वालें दो लोग ही इस विषय पर सच का प्रकाश बखूबी ड़ाल सकते है।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु) ꣼भावु

ज्ञान गंगा

आखिर सच्चे गुरु की पहचान क्या है?

गुरु तो अब सस्ता शब्द हो गया है। जिसको देखो वही अपने नाम के साथ लगा रहा है। आपको पता कैसे चलेगा कि आप जिसको गुरु मान रहे हो, वो सच्चा है? पहचान कैसे करोगे? बोलो?जो मुक्त कर दे, सो गुरु होता है। मुक्ति केंद्रीय बात है। गुरु की सेवा इत्यादि करके मुक्ति नहीं मिलती; जो मुक्ति दिला दे वो गुरु होता है। इरादा आपका नेक है कि झ हगुरु जी की सेवा करेंगे, और मुक्ति अपने आप मिल जाएगी ह्व सुनने में बात अच्छी लगती है, लेकिन बात में पेंच है। इतने घूम रहे हैं, आपको कैसे पता लगेगा कि वो सच्चे हैं या ऐसे ही कोई फर्जी अपनी दुकान खोल के बैठा है? ये तो पता तभी लगेगा न जब पाओगे कि जीवन में बंधन कट रहे हैं, और मुक्ति के फूल खिल रहे हैं। तो लक्ष्य तो मुक्ति को ही बनाना पड़ेगा। जिसको आज गुरु समझ रहे हो, पाओ कि उसके पास समय बिता लिया, उसकी बात सुन ली, फिर भी मन का बोझ बढ़ ही रहा है, बंधन बढ़ ही रहे हैं, अंधेरा और अज्ञान कट नहीं रहा है, तो प्रणाम कर आगे बढ़ जाना। जिस गुरु के साथ रह करके मन का अंधेरा दूर ना हो रहा हो, भ्रम ना कट रहे हों, भ्रांतिएँ ना मिट रही हों, क्षण नहीं लगाना चाहिए उसको त्यागने में। तुरंत त्यागो। खुद भी डूबेगा, तुम्हें भी डूबाएगा और ये गुरु का गोरखधंधा खतरनाक है। इस से जरा संभल के रहना। बहुत संभल के रहना। जा गुरु से भ्रम न मिटे, भ्रांति न जीव की जाय। ता गुरु झूठा जानिए, त्यागत देर न लाय।। कबीर साहिब ने समझाया है। कोई व्यक्ति गुरु नहीं होता। हर व्यक्ति दूसरे ही व्यक्ति जैसा है। हाड़-मांस के पुतले आप हैं, हाड़-मांस का पुतला दूसरा व्यक्ति भी है, हाड़-मांस का पुतला वो भी है जिसको आप गुरु बोलते हो। हाड़-मांस की पूजा थोड़े ही करनी है। हाड़-मांस की पूजा करनी है तो अपनी ही कर लो, तुम्हारे पास भी तो हाड़-मांस है! उस सच्चाई की पूजा करनी है जो उस हाड़-मांस से आविर्भूत होती है। हाड़-मांस से वो सच्चाई आनी बंद हो जाए तो जय राम जी की! करो और आगे बढ़ो। जब तक गुरु बिना किसी विकृति के, घपले के, मिलावट के, मिश्रण के संदेश सुना रहा है, तब तक उसकी बात सुनने लायक है। जिस दिन उसने संदेश में माल-मिलावट शुरू कर दी, उस दिन उसको तुरंत त्याग देना। व्यक्तियों में क्या रखा है? लक्ष्य तो सच्चाई है। लक्ष्य तो आजादी है। व्यक्ति को थोड़े ही पूजना है। व्यक्ति तो आते-जाते रहते हैं। गुरु ऊंचे -से-ऊंचा साधन भी हो सकता है, और गुरु से बड़ा पिंजड़ा भी कोई दूसरा नहीं झ कि फंस गए तो फंस गए। गुरु मुक्ति का वाहक भी हो सकता है और गुरु स्वयं बहुत बड़ी गुलामी भी बन सकता है तुम्हारे लिए। अधिकांशतः गुरु के नाम पर गुलामी ही मिलती है झ भेजा ठप्प कर दिया जाता है, विचारणा ठस हो जाती है, सोचने-समझने की शक्ति ही खराब हो जाती है। अच्छे-अच्छे लोग जाकर के सत्संगों में, प्रवचनों में बैठ आते हैं, और उसके बाद भी मूर्खतापूर्ण बातें शुरू कर देते हैं, अंधविश्वासी हो जाते हैं। तो इसीलिए मैं कह रहा हूं कि ये जो गुरु-सद्गुरु का गोरखधंधा है, इससे सावधान ही रहो। लगातार जांचते चलो। और क्या जांचना है? मुक्ति मिल रही है कि नहीं, बंधन कट रहे हैं कि नहीं, अंधेरा हट रहा है कि नहीं; जो बातें पहले नहीं समझ में आती थीं वो समझ में आ रही हैं कि नहीं—ये पैमाना है, ये मापदंड है।

ना सुनी फरियाद हमारी

तोड़ दिया दिल मेरा एक बार भी सुनी फरियाद हमारी
टुटे इश्क की मार पडी ऐसी, शूल चुभाती है याद तुम्हारी।
हर ग़म ज़माने का हंस कर के सहन कर लूंगी
मगर नहीं सहन कर पाऊंगी जुदाई की मार तुम्हारी ।
एक बार तो ज़रा सीने से लगा कर के देखो हमें
चल पड़ेगी सांसे जान में जान आ जाएगी हमारी ।
आज की रात ज़रा ठहर जाओ पास हमारे सनम
इश्क की रात बन जाएगी यादगार रात हमारी ।
तोड़कर प्यार की सभी कसमें तुम चले तो जाओगे
भूल ना पाओगे ꣼प्रेम को तुम सुन लो ये बात हमारी।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

पिंजरा

जब एक नन्ही चिड़िया तिनका-तिनका जोड़कर अपना घोंसला बनाती है बड़े अरमान और विश्वास से उसे सजाती है और सोचती है इसमे वोऔर उसके बच्चे सुरक्षित रहेगे खुशी मे वो भूल जाती है घोंसला तो उसका है जिसे उसने कड़ी मेहनत और लगन से बनाया है पर वो पेड़ या वो घर उसका नही जहां उसने अपना घोंसला बनाया है। उसका मालिक तो कोई और है फिर वो घोंसला उसका कैसे हुआ उस इंसान का जब दिल करेगा उसे बेघर कर देगा, तबाह कर देगा उसके अरमानों का आशियाना, बिखेर देगा उसके सपनों के घोंसले को एक मगरूर हवा का झोंका तोड़ देगा उस डाली को जिस पर जहाँ बसा रखा उस नन्हीं चिड़िया ने। उम्मीद से भरी उसकी आंखे किससे बयां करे अपने दर्द को वो जगह कहाँ जहाँ वो निश्चिंत होकर अपना घोंसला बना सके जिसे वो अपना कह सके जिस पर सिर्फ उसका हक हो किसी और का नही जहाँ वो निडर होकर रह सके कोई न तोड़ सके उसके अरमानो का घोंसला। हममे से कई लोग अपनी खुशी के लिए उसे पाल लेते है घर मे रख लेते है पर घर नही देते, देते है तो पिंजरा जहाँ वो सांसे तो ले पर चहक न सके, परो के होते हुए भी उड़ न सके पर कटे परिंदे की तरह तड़पती रहे। अगर हमारे दिलो मे इतनी जगह नही की उसे अपने घर मे घोंसला बनाने दे तो कृपया उसे कैद भी न करे उड़ जाने दो जीने दो उसे क्यूँ अपनी खुशियों के लिए खरीद लेते हो उसके जीवन को लिख देते हो अपना नाम उसकी जिन्दगी पर मोहताज बना देते हो उसकी हर सांस को छीन लेते हो उसकी सारी खुशियां।

क्या कभी लौटा सकोगे उसके जीवन को–जिसको कैद कर लेते हो अपने स्वार्थ के लिए कैद मे होकर भी वो तुम्हे मुस्कुराहटे देती है उसकी तड़प पर तुम मुस्कुरातें हो जब वो आजाद होने के लिए तड़पती है तो तुम खुश होते हो कहते हो पाले हो मगर वास्तव मे तो कैद कर रखा है। कैद मे कोई खुश नही रह सकता एक आजाद परिंदा चहकता है गुनगुनाता है जिसे देख कर सब मुस्कुराते है क्या वो भी तुम्हे देखकर खुश रह पाता है सहम कर एक कोने मे कही बैठ तो नही जाता है। मत कैद करो उसे सिर्फ वो कैद नही होता उसके साथ उसकी सांसे उसका चहकना, उछलना और उसकी वो स्वछन्द उड़ान सब कैद हो जाता है बिछड़ जाते है उसके नन्हें बच्चें या उन बच्चों से उनकी माँ उजड़ जाता है उनके अरमानों का घोंसला तड़प कर रह जाते है कैद हो कर कुछ शेष नही रह जाता है। रह जाता है उनके जीवन मे तो बस वो ÷पिंजरा÷ जिसे तुम देते हो अपने स्वार्थ के लिए !!

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
युवा लेखक/स्तंभकार/साहित्यकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

रक्तचरित्र

ये विषय है पीड़ा का इस पर लिखना तो
लाजमी है,
असहनीय दर्द को सहकर मुस्कुराना ही काफी है।
बहाकर खून अपने शरीर का
वो दर्द मे तड़पती है,
फिर भी उन चार दिनों मे वो सबका ख्याल
रखती है।
करती है वो हर एक काम अपनी पीड़ा को
छुपाती है,
डरती है दाग धब्बों से पीछे मुड़ मुड कर
सकुचाती है,
दर्द हो कितना भी फिर भी आगे बढ़ती जाती है,
घर हो या ऑफिस वो दोनों संभालती है।
कुछ घरों मे तो वो उन दिनों मे तिरस्कार की जिंदगी
जीती है।
शारीरिक पीड़ा के साथ साथ मानसिक पीड़ा के
घुट भी रो रो कर पीती है।
ऐसा लगता है जैसे छुआछूत सब इसके लिए ही
बना है,
सिर्फ नारी को ही इन सब का दोष लगा है।
फिर भी कोई हाथ आगे बढ़ाकर उसको नही
थामता हैं,
इन बुरे दिनों में कोई उसकी करता नही
सहायता है,
फर्ज अदा करना है यही धर्म सिखाता है,
इसलिए वो खुदा स्त्री को सहनशीलता से
बनाता है।
वो सोचती है कि कोई उसका ख्याल रखेगा,
सिर पर प्यार से हाथ फेरेगा,
देगा एहसास मेरी माँ के जैसा,

अफसोस मगर यहाँ कोई नही है उसकी माँ जैसा।
जो पूछ लें उससे हालचाल,
चार दिन सेवा करके रखले उसका ख्याल,
मगर मन की चुभन को भूलकर वो खुद को गूथती
है फिर से एक बार,
फिर से संभालती है अपने काम की पतवार
रखती है सबका ख्याल बखूबी निभाती है अपना
किरदार,
और फिर से बढ़ाती है वो एक कदम और बनाती
है अपने सपनो की दीवार।

बावली की कलम से
प्रियंका पवन खंताल(बावली),झांसी

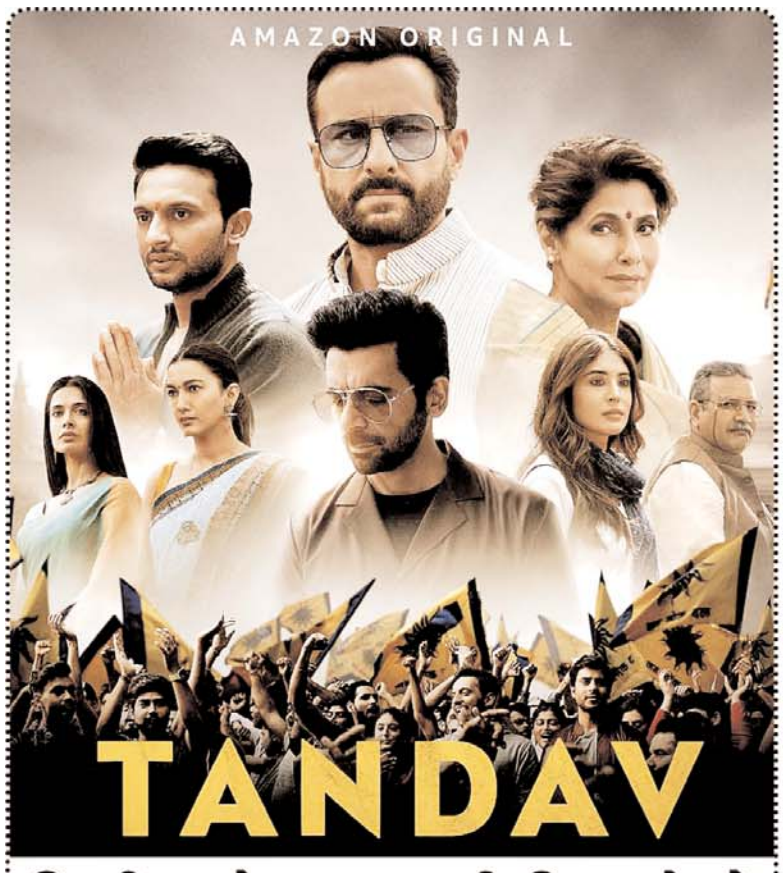

रिलीज के साथ ही विवादों में घिरी सैफ अली खान की तांडव

भगवान शिव के अपमान का लगा आरोप

आजकल फिल्मों और वेब सीरीज का विवादों में आना एक चलन सा हो गया है। हाल ही में आई सैफ अली खान की मल्टीस्टारर वेब सीरीज तांडव रिलीज होते ही विवादों में घिर गई है। जैसा कि सभी जानते हैं यह सीरीज राजनीति के विषय पर बेस्ड है, ऐसे में इसके एक सीन को धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए देखा जा रहा है। लोगों ने इस सीरीज पर हिंदू देवताओं के अपमान का आरोप लगाया है।

यह सारा मामला दरअसल तब शुरू हुआ जब एक्टर मोहम्मद जीशान अय्यूब को भगवान शिव के गेटअप में मंच पर आकर गाली देते हुए देखा गया। यही नहीं सीरीज के पहले ही एपिसोड में यूनिवर्सिटी के छात्राओं को संबोधित करते हुए एक्टर जीशान अय्यूब आजादी का मुद्दा उठाते दिखाई दे रहे हैं। अब इस बात को लेकर लोगों में जबरदस्त नाराजगी दिखाई दे रही है। इस पूरे सीन को लोगों ने जेएनयू मामले से जुड़ा है। वही हिंदू संगठन भी इससे खासा नाराज है। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में लोग जानबूझकर हिंदुओं और हिंदू धर्म को टारगेट करते हैं।

यूजर्स तांडव सीरीज को ना सिर्फ ट्रोल कर रहे हैं बल्कि मेकर्स से माफी मांगने के लिए भी कह रहे हैं। उनके मुताबिक, तांडव का यह सीन हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने इस सीरीज को बॉयकॉट तक करने की बात कही है। सैफ अली खान और जीशान अय्यूब के अलावा इस सीरीज में डिंपल कपाड़िया , तिग्मांशु धुलिया और सुनील ग्रोवर जैसे सितारे भी नजर आए हैं। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी यह सीरीज आज यानी कि 15 जनवरी को ही अमेजॉन प्राइम पर प्रीमियर हुई है।

ऋषि कपूर के निधन से अधूरी छूटी फिल्म परेश रावल करेंगे पूरी

करीब दो साल तक कैंसर से जूझने के बाद हिंदी सिनेमा के वेटरन एक्टर ऋषि कपूर का 2020 में निधन हो गया था। निधन से पहले ऋषि शर्मा जी नमकीन फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। फिल्म में उनका चंद दिनों का काम बाकी था, जिसे पूरा करने के लिए परेश रावल राजी हो गये हैं।

ऋषि के बचे हुए हिस्सों को परेश पूरा करेंगे। शर्मा जी नमकीन इसी साल ऋषि कपूर की बर्थ एनिवर्सरी पर 4 सितम्बर को रिलीज होन वाली है। परेश फिल्म में वही किरदार निभाएंगे, जो ऋषि कपूर निभा रहे थे। फिल्म के प्रोड्यूसर हनी त्रेहन ने मिड-डे से बातचीत में कहा था कि फिल्म को पूरा करने के लिए वीएफएक्स के साथ विशेष तकनीक की मदद ली जाएगी, ताकि गुणवत्ता पर कोई असर ना पड़े। इसके लिए कुछ वीएफएक्स स्टूडियो से बातचीत चल रही है। उन्होंने बताया था कि सिर्फ.चार दिन का काम ही बाकी है। फिल्म के अधिकतर हिस्सों की शूटिंग पिछले साल जनवरी में पूरा हो गयी थी। अपनी बहन ऋतु नंदा के निधन के फौरन बाद ऋषि ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। इस फिल्म का सह-निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख़्तर कर रहे हैं, जबकि निर्देशन डेब्यूटेंट हितेश भाटिया का है। ऋषि कपूर का निधन 2020 में अप्रैल महीने में हुआ था, जब देश में कोरोना वायरस पैनडेमिक पूरे उफान पर था। पैनडेमिक की वजह से ऋषि की अंतिम यात्रा भी नहीं निकाली जा सकी। निधन के दिन ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया था, जिसमें 24 लोगों को ही शामिल होने की अनुमति मिली थी। ऋषि की बेटी रिद्धिमा भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सकी थीं। ऋषि आखिरी बार 2019 में रिलीज हुई फिल्म द वॉडी में पुलिस अफसर के रोल में दिखे थे। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने लीड रोल निभाया था।

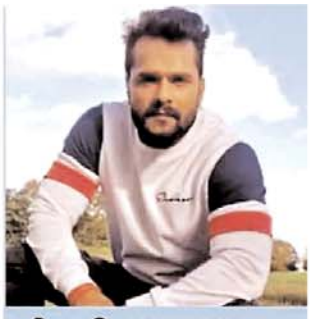

खेसारी लाल यादव की दुल्हिन वही जो पिया मन भाये रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की नई फिल्म दुल्हिन वही जो पिया मन भाये रिलीज हो चुकी है। खेसारी ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपनी इस फिल्म को देखने की अपील की है। खेसारी ने इंस्टाग्राम पर अकाउंट पर पोस्टर शेयर करते कैप्शन में लिखा, जाइए और इस फिल्म को देखिए। आप लोगों का सपोर्ट और शुभकामनाओं की जरूरत है। इस पोस्ट पर फैन्स रिएक्शन दे रहे हैं। इस फिल्म में काजल राघवानी, खेसारी के साथ लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है। हाल ही में एक चैनल को इंटरव्यू देते हुए खेसारी लाल यादव ने सलमान खान के शो बिग बॉस 14 को लेकर टिप्पणी की। उनका कहना है कि लोग वहां कुछ नहीं सीखते हैं। वहां सिर्फ लड़ाई होती है और वही लोग सीखकर वहां से आते हैं। आज तक को दिए इंटरव्यू में खेसारी लाल यादव ने कहा कि बिग बॉस एकलौता ऐसा शो है, जहां से लड़ाई-झगड़े ही सीखे जा सकते हैं। मैं भी बिग बॉस के शो का हिस्सा रह चुका हूं। मैंने सिर्फ लड़ाई-झगड़ा ही वहीं देखा। वहां से कुछ अच्छा सीखकर इंसान बाहर आए तो ठीक है, वरना कुछ खास नहीं। इस समय जो सीजन चल रहा है, उसमें लोग अच्छा कर रहे होंगे, गेम भी ठीक से खेल रहे होंगे। समय न मिलने के कारण मैं यह सीजन फॉलो नहीं कर पा रहा हूं। भोजपुरी सिनेमा का बड़ा नाम बन चुके खेसारी लाल यादव ने साल 2011 में अपने करियर की शुरूआत की थी। खेसारी लाल यादव ने बिग बॉस के 13वें सीजन में भी हिस्सा लिया था। इसके अलावा 2016 में उन्हें बेस्ट पॉप्युलर एक्टर के खिताब से नवाजा गया था। 2017 में खेसारी लाल को यूपी रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया था।

क्या वरुण धवन और नताशा दलाल कर रहे हैं 24 जनवरी को शादी? अंकल अनिल ने बताई सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और नताशा दलाल की शादी की चर्चा तेज है। कहा जा रहा है कि इनकी शादी का ई-इनवाइट परिवार और करीबी लोगों को भेजा जा चुका है। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि वरुण धवन ने अलीबाग में 200 लोगों के लिए होटल बुक किया है। यह एक पंजाबी वेडिंग होगी। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों 24 जनवरी को शादी के बंधन में बंधेंगे। 22-25 जनवरी तक शादी की रस्में होंगी। पिंकविला के मुताबिक, वरुण के करीबी रिश्तेदार का कहना है कि हम लोगों को ई-इनवाइट मिल चुका है। मैं खुश हूं कि यह फाइनली होने जा रहा है। कई बॉलीवुड सेलेब्स को आप लोग अलीबाग जाते अब स्पॉट करेंगे। डेविड धवन के बेटे वरुण धवन की शादी जोरदार होने वाली है। यह बड़ी पंजाबी वेडिंग होगी, जिसमें सभी रीति-रिवाज किए जाएंगे। वहीं, बॉम्बे टाइम्स ने जब डेविड धवन से वरुण की शादी पर स्टेटमेंट लेने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद वरुण के अंकल अनिल धवन से बात हुई तो उन्होंने कहा कि वाह, मैं सरप्राइज्ड हूं। दोनों इस महीने शादी कर रहे हैं? और हमें पता ही नहीं है। क्या वह हमें आखिरी वक्त में इनवाइट करेंगे? इतना सीक्रेट रख रहे हैं क्या? अनिल धवन कहते हैं, ह्यह कहानियां लंबे समय से सुर्खियां बटोर रही हैं। पिछले साल कहा जा रहा था कि दोनों मई में शादी कर रहे हैं। जो भी है, परिवार के हम सभी सदस्य उन्हें शादी करने के लिए कह रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी रस्म है, जिसे आपको समय रहते कर लेना चाहिए। इसे रोकने का कोई मतलब नहीं है। समय से करो या मत करो।

अभिनेत्री प्रणिता सुभाष ने राम मंदिर निर्माण के लिए दिए एक लाख

राम मंदिर के भव्य निर्माण के लिए अयोध्या में निधि संकलन के अभियान की शुरूआत हो चुकी है' यह निधि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नाम से पूरे देशभर में एक अभियान के माध्यम से एकत्रित की जा रही है' रुपेशकुमार गुप्ता, नई दिल्ली' अभिनेत्री प्रणिता सुभाष ने अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के लिए 1 लाख रुपए की निधि समर्पित करने की घोषणा की है' प्रणिता सुभाष ने ट्विटर पर अपने योगदान की घोषणा करते हुए लिखा, अयोध्या राम मंदिर निधि समर्पण अभियान में मैं 1 लाख देने का संकल्प लेती हूं' मैं आप सभी से निवेदन करती हूं कि इस ऐतिहासिक क्षण का भागीदार बने' राम मंदिर निधि समर्पण' प्रणिता सुभाष का यह निर्णय सभी को पसंद आया है' उनके इस आवाहन को अब तक 28 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है' विश्व हिंदू परिषद के 5 कार्यकर्ता 10 करोड़ घरों में जाकर समर्पण निधि लेंगे' प्रणिता सुभाष कन्नड़ फिल्म राम अवतार में नजर आएंगी' इसके अलावा वह भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया में भी नजर आनेवाली है' इस फिल्म में उनके अलावा अजय देवगन की अहम भूमिका होगी' वह प्रियदर्शन की हंगामा टू में भी नजर आने वाली है' इस फिल्म में परेश रावल और शिल्पा शेट्टी भी होंगे। आप सभी को ज्ञात होगा कि राम मंदिर के भव्य निर्माण के लिए अयोध्या में निधि संकलन के अभियान की शुरूआत हो चुकी है' यह निधि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नाम से पूरे देशभर में एक अभियान के माध्यम से एकत्रित की जा रही है' यह अभियान 15 फरवरी से 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें हर कोई अपनी स्वेच्छा से समर्पण कर सकेगा' इस अभियान की कमान विश्व हिंदू परिषद ने अपने हाथों में ली है' प्रणिता सुभाष कन्नड़, तेलुगु और तमिल भाषा की फिल्मों में दमदार अभिनय करने के लिए लोकप्रिय हैं। उन्होंने कन्नड़ फिल्म पोर्की के साथ अपनी शुरूआत की थी, जो 2010 में रिलीज हुई थी। उनकी लोकप्रिय फिल्में तेलुगु और तमिल भाषा में हैं' वह अटरिन्टिकी डारेडी, बावा, मासु एंगिरा मसिलामणि, और एन्क्कू वाएटी आदिमाइगल जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुकी है।

संध्या शुंगलू इंडियावाली मां की कास्ट में हुई शामिल

पटियाला बेब्स अभिनेत्री संध्या शुंगलू टीवी शो इंडियावाली मां की टीम में शामिल हो गई हैं। अभिनेत्री के हिसाब से उनकी नए साल की शुरूआत अच्छे ढंग से हुई। धारावाहिक में वह एक प्रमुख महिला लक्ष्मी के किरदार में नजर आएंगी, जो काकू की अभिनेत्री (अभिनेत्री सुवेता त्रिवेदी) की सहायता का आधार बनेगी। उन्होंने कहा, श्मेरा नया साल एक बेहतर नोट पर शुरू हुआ। मैं इस तरह के एक शानदार शो का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। शो में सभी तत्व हैं। जबकि यह मनोरंजक है, यह हमें महत्वपूर्ण जीवन के सबक भी सिखाता है। यह शो लोगों के साथ जोड़ता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे इस तरह के महत्वपूर्ण और सकारात्मक किरदार निभाने का मौका मिला। इंडियावाली मां सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होती है।

जान्हवी का बेली डांस वीडियो वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बेली डांस वीडियो पोस्ट किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में जान्हवी कपूर करीना और शाहरुख की फिल्म अशोका के गीत सन सनाना पर थिरकती नजर आ रही हैं। शेयर वीडियो के कैप्शन में उन्होंने डांस करने वाला इमोजी बनाते हुए लिखा है, रमिसिंग पोस्ट बूरिटो बेली डांस सेशन।ह वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा, वहीं अभिनेत्री के कई फैंस उनकी दिवंगत मां बॉलीवुड सुपर स्टार श्रीदेवी से तुलना की।

लम्बे वक़्त झूम के नाचीं कटरीना कैफ

कटरीना कैफ ने अपनी अदाकारी के साथ अपने डांसिंग स्किल्स से भी लोगों को दीवाना बनाया है। अग्निपथ का चिकनी चमेली हो या धूम 3 का कमली डांस। कटरीना ने अपने एक-एक स्टेप से दिल धड़काए हैं। कोरोना वायरस पैनडेमिक की वजह से कटरीना को पर्दे पर तो उनके फैंस नहीं देख पाये, मगर सोशल मीडिया के जरिए वो जरूर अपने फैंस के टच में हैं और अपनी तस्वीरों और वीडियो से उनका मनोरंजन करती हैं। कटरीना का एक डांस वीडियो अब वायरल हो रहा है। कैट ने वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वो सब कुछ भूलकर मस्ती में नाचती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ कटरीना ने जो कैप्शन लिखा है, उससे भी लगता है कि वो डास को कितना मिस कर रही होंगी। कटरीना ने लिखा- और लम्ब अर्से बाद हम नाच रहे हैं। कटरीना के इस वीडियो में कोई आवाज नहीं है। अलबत्ता उन्होंने एक्सेल मूलीज को जरूर टैग किया है, जो फरहान अख़्तर की कम्पनी है। इस वीडियो में पीछे दीवार पर बंटी और बबली का पोस्टर लगा दिख रहा है, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन कजरारे गाने का स्टेप कर रही हैं। साथ में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी हैं। कटरीनना के इस वीडियो को 32 लाख से अधिक लाइक्स मिले हैं। कटरीना कैफ के इस वीडियो पर तमाम लोगों ने कमेंट किये हैं। ईशान खट्टर ने मजाक में लिखा- पंजीरी पॉवर। ईशान, कटरीना के साथ फोन भूत में नजर आएंगे। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। इसके अलावा कटरीना कैफ अक्षय कुमार के साथ सूर्यवंशी में दिखेंगी, जो सम्भवतः मार्च और अप्रैल के बीच में रिलीज होने वाली है। रोहित शेट्टी निर्देशत फिल्म में कटरीना पहली बार काम कर रही है। कटरीना इस फिल्म के जरिए दो साल बाद पर्दे पर लौटेंगी। आखिरी बार वो सलमान खान की फिल्म भारत में फीमेल लीड रोल में नजर आयी थीं।

मां और बेटी के रिश्ते पर बनी खूबसूरत कहानी है त्रिभंगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की फिल्म त्रिभंगा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में काजोल के अलावा मिथिला पालकर, तन्वी आजमी, कुणाल रॉय कपूर जैसे सितारों ने काम किया है। फिल्म में तीन पीढ़ियों के मां-बेटी के बीच बनते-बिगड़ते रिश्ते के जरिए खूबसूरती से पिरोया गया है। यह फिल्म अस्पताल के बिस्तर पर लेटी नयनतारा आप्टे (तन्वी आजमी), एक्ट्रेस और ओडिशी डांसर अनुराधा आप्टे (काजोल) और माशा मेहता (मिथिला पालकर) के रिश्तों की कहानी है। नयन और अनु अपनी शर्तों पर जिंदगी जीते हैं। उन्होंने कई बार समान की मान्यताओं और रूढ़ियों के खिलाफ जाकर काम किया है। दोनों ने समाज में अपनी प्रतिभा और जिद से जगह बनाई है। अनुराधा एक रूसी युवक के साथ लिव-इन में रह कर प्रेग्नेंट हो जाती है। वह बच्ची को जन्म देती है, लेकिन कभी शादी नहीं करती। अनुराधा और नयनतारा का जीवन कभी स्थिर नहीं रहा। दोनों के जीवन में पुरुष आते-जाते रहे, लेकिन माशा ऐसी नहीं है। नानी और मां की टूटी-बिखरी जिंदगी को देखने के बाद माशा अपने और अपने बच्चे के लिए एक स्थिर जिंदगी चाहती हैं। फिल्म के आखिर में तीनों की जिंदगी किस मोड़ पर आकर ठीक होती है, यह जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी। काजोल ने अपनी एक्टिंग से फिल्म में जान फूंक दी है। मां और एक बेटी के रोल में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। ऐसा लगता है कि इस फिल्म से दर्शकों का दिल जीतने का भार उनके कंधों पर ही था और उन्होंने अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। इसके अलावा मिथिला पालकर ने अपने काम के साथ न्याय किया है। कुणाल राय कपूर राइटर के रोल में अच्छे लगे। इस फिल्म से रेणुका शहाणे ने बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया है। उन्होंने ही इस फिल्म को लिखा है। पहली फिल्म से ही उन्होंने अपने डायरेक्टर वाले हुनर को साबित कर दिखाया है। फिल्म अपने विषय से कभी भटकती नहीं है। जितनी खूबसूरती से इस फिल्म को लिखा गया है उनकी ही बारीकी से रेणुका ने इसके निर्देशन पर काम किया है। फिल्म में घटनाओं के साथ भावनाओं को बराबर जगह दी गई है।

काँग्रेसी पहुँचे दुर्घटना में मृत एवं घायल परिजनों से मिलने,दी सांत्वना

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर मऊरानीपुर के मुहल्ला कुरैचानाका में विगत दिनों तब कोहराम मच गया था। जब मुहल्ले के ही 4 युवक मौत के घाट तो 4 गम्भीर रुप से घायल हो गये थे। हादसा सडक दुर्घटना से हुआ था। जिसमें मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर मैहर जा रहे मारुती ओमनी से 8 युवक झाँसी खजुराहों राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक डम्फर से आमनी जा भिड गयी। जिसमें बडा हादसा सामने आया। जिससे नगर मऊरानीपुर में उसी दिन से कोहराम मचा हुआ है। जिसमें राजनैतिक पार्टियों के नेता और समाजसेवी बराबर मृतकों एवं घायलों के परिजनों को ढांडस बँधा रहे है। जिसमें मृतकों में आकाश रैकवार पुत्र मूलचन्द्र, कृष्णकान्त उर्फकल्लू पुत्र घनश्याम, धीरेन्द्र पुत्र धनसिंह आर्य, ओमप्रकाश आर्य उर्फबटु पुत्र जंगली आर्य है। व घायलों में राकेश आर्य, दीनदयाल रैकवार, गोलू रैकवार एवं सौरभ यादव है। पीडितों के घर पहुँचे काँग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ताओं ने मृतकों के घर शोक संवेदना व्यक्त की तो वही घायलों के परिजनों से मुलाकात की। इस मौके पर मीना आर्य, इस्माईल खाँ एड., ब्रहमदत्त सोनी, ताहिर, सतीश श्रीवास्तव, जलालउद्दीन निजामी आदि लोग रहे।

| यह कंपनी किसी भी तरीके से अमेरिका में व्यापार नहीं कर पाएगी |

ट्रंप ने जाते-जाते सरकारी तेल कंपनी सीएनओओसी पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के बचे हुए चंद दिनों में चीन को एक और बड़ा झटका दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को चीन की सरकारी तेल कंपनी सीएनओओसी को ब्लैकलिस्ट कर दिया। इतना ही नहीं, अमेरिका ने इस चीनी कंपनी को अपने शेयर बाजार एसएंडपी के स्टॉक सूचकांकों से भी हटवा दिया है। अब यह कंपनी किसी भी तरीके से अमेरिका में व्यापार नहीं कर पाएगी। अमेरिकी वाणिज्य सचिव विल्बर रॉस ने प्रतिबंध के बाद कहा कि दक्षिण चीन सागर में चीन की लापरवाह और उकसावे की हरकतें जारी है। वह पूरे क्षेत्र का सैन्यीकरण के प्रयास में जुटा हुआ

है। इससे चीन के दूसरे देशों से संवेदनशील बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी हासिल करने के अभियान को तगड़ा झटका लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सीएनओओसी चीन के पड़ोसियों को डराने के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए काम करती है। दिसंबर में ही अमेरिका ने चीन की सबसे बड़ी चिपमेकर कंपनी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (एसएमआईसी) और ड्रोन निमार्ता एसजेड डीजेआई टेक्नोलॉजी सहित दर्जनों चीनी कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया था। ये कंपनियां अब न तो अमेरिका में कोई व्यापार कर पाएंगी, न ही अपनी प्रॉपर्टी और बैंक बैलेंस का उपयोग कर सकेंगी। हाल के दिनों में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। इनमें ज्यादातर वे कंपनियां हैं जो चीनी सेना के साथ व्यापार करती हैं। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में अपने प्रतिद्वंद्वी आर्थिक शक्ति चीन के खिलाफ आक्रामक राजनयिक और व्यापार नीतियों को लागू किया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने यह भी कहा कि चीन ने हमारे उन्नत तकनीकियों का इस्तेमाल अपनी सेना को आधुनिक बनाने में किया है और हम ऐसा होते हुए नहीं देख सकते हैं।

अमेरिका ने चीन की इन कंपनियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए प्रतिबंधित किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में चीन के खिलाफ कई बड़े फैसले लिए हैं। जिसके कारण अमेरिका और चीन में आर्थिक और सैन्य तनातनी बढ़ने की संभावना और ज्यादा हो गई है। दोनों देश पहले ही साउथ चाइना सी, हॉन्ग कॉन्ग, ताइवान और जासूसी जैसे मामलों को लेकर भिड़े हुए हैं।

यूपी के ललितपुर एयरपोर्ट से उड़ान भर सकेंगे 72 सीटर विमान

ललितपुर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने ललितपुर स्थित एयरपोर्ट को प्रथम चरण में 72 सीटर विमानों की उड़ान के लिये मंजूरी दे दी। ललितपुर स्थित हवाई पट्टी का निर्माण द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हुआ था, परन्तु इस हवाई पट्टी का कभी भी प्रयोग नहीं हुआ है व वर्तमान में यह अक्रियाशील है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रथम तीन वर्षों में ही प्रयागराज, कानपुर व हिंडन एअरपोर्ट का संचालन शुरू किया गया। नोएडा इंटरनेशनल एअरपोर्ट सहित 14 हवाई अड्डों का विकास कार्य तेजी से चल रहा है, जिसमें से बरेली, कुशीनगर पूर्ण रूप से तैयार हैं तथा अलीगढ, आजमगढ़, मेरठ, मुरादाबाद व चित्रकूट अगले दो माह में पूर्ण रूप से तैयार हो जायेंगे। बुंदेलखंड व विन्ध्य क्षेत्र में झाँसी, चित्रकूट व सोनभद्र में पूर्व से ही एअरपोर्ट के विकास का कार्य प्रगति पर है। ललितपुर में प्रदेश सरकार द्वारा बल्क ड्रग पार्क की स्थापना का प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार बुंदेलखंड क्षेत्र में डिफेन्स कॉरीडोर का निर्माण भी तीव्र गति से हो रहा है।

हमेशा समाज को उठाने का प्रयास करना चाहिये,न की गिराने का :के के कट्टिल

दबोह(अर्पित गुप्ता)। हर वर्ष भी भांति नगर दबोह में गहोई दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।इस दौरान गहोई समाज द्वारा सर्वप्रथम गहोई भवन धर्मशाला में सुंदरकांड का पाठ किया गया तदोपरांत विशाल शोभा यात्रा निकाली

गई।शोभा यात्रा नगए मुख्य मार्ग बस स्टैंड,गणेश चौक,रिछा मोहल्ला,चौक मोहल्ला होते हुए कोंच रोड पहुँची इसके उपरांत यह शोभा यात्रा गहोई भवन धर्मशाला सभा मे परिवर्तित हो गई।इस शोभा यात्रा में गहोई समाज के सैंकड़ों लोगो के साथ सजातीय माता बहनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।इसी दौरान नगर में शोभा यात्रा निकलने पर बुधौलिया मार्केट पर ब्राहम्ण समाज द्वारा,व गहोई समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति अवध किशोर गुप्ता कोंच रोड के द्वारा पुष्प वर्षा की गई।कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में गहोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के के कठ्ठिल मौजूद रहे तो वही विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम कुचिया,महामंत्री आलोक टिकरिया,कोषाध्यक्ष मोहन कनकने,अध्यक्ष वरिष्ठ संघ ओमप्रकाश सेठ,महिला मंडल अध्यक्ष गीता नगरीय,नरेश कुचिया,रामबाबू खर्द आदि समाज के पदाधिकारिगण मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सर्वप्रथम माँ सरस्वती व गहोई समाज के प्रेरणा स्त्रोत राष्ट्रकवि स्व. मैथलीशरण गुप्त जी के छायाचित्र व माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए।तदोपरांत गहोई भवन दबोह में समाज के लोगो को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष केके कठ्ठिल ने कहा कि गहोई दिवस वैदिक पद्धति के अनुसार जब सूर्य उत्तरायण होते हैं,उसके उपरांत 14 जनवरी मकर संक्रांति के बाद प्रथम रविवार को गहोई दिवस मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि हमे समाज के बदलने से पहले खुद को बदलना ज़रूरी है,दुनिया को बदलने से पहले खुद को ठीक करना ज़रूरी है।समाज में जिस बदलाव की सबसे ज्यादा ज़रूरत है वो है लोगों के मन में सुरक्षा का भाव आना।जिसकी शुरुआत घर से होती है।उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता शिक्षा से ही समाज का उद्धार उत्थान संभव है उन्होंने कहा कि शिक्षा की परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करना गौरव की बात है,आवश्यकता है तो जीवन की परीक्षा संस्कारों के आधार पर उच्च अंक प्राप्त करना गौरव की बात है समाज की एकजुटता एकता से ही समाज का विकास संभव है शिक्षा के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है इसलिए समाज के बालक बालिका है इच्छा की तरफ ध्यान दें समाज में व्याप्त कुरीतियों,व्याप्त बेरोजगारी को मिटाये जाने के लिए एकजुटता बहुत जरूरी है समाज के लोगों को एक जगह बैठ कर सहयोग की भावना से काम करना चाहिए तभी समाज का उद्धार संभव है समाज में व्याप्त कुरीतियां तभी मिट सकती हैं जब समाज के लोग कृतियों को अपने घर से मिटाए जाने के लिए प्रयास शुरू करेंगे।

महिला मंडल अध्यक्ष गीता नगरिया ने कहा कि आज हमे हमारे गहोई परिवारो में स्वास्थ्य,बुजुर्गों का सम्मान व बच्चों के संस्कार ध्यान में देने की जरूरत है,मैं चाहती हूँ कि दबोह में भी हमारी समाज का एक महिला मंडल बनाया जाए क्योंकि संगठन एक बहुत बड़ी ताकत रखता है इसलिए महिलाओं को भी हमारे समाज की एक टीम बनाकर महिला शक्ति को भी आंगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिये वैसे तो हमारे गहोई समाज मे ज्ञान की कमी नही है परंतु हमे उस ज्ञान को तरास कर बाहर निकालने की जरूरत है आज हमें हमारे समाज के युवाओं के ज्ञान व उनकी शक्ति जागृत करने की आवश्यकता है मेरे द्वारा समाज के हित मे कही गयी बातो को पूरा करने के लिए भविष्य में आपको मेरी आवश्यकता पड़ती है तो मै उसमे आपका पूरा सहयोग करने की कोशिश करेंगे।वहीं मौजूद महिला मंडल अध्यक्ष गीता नगरिया ने कहा कि आज हमे हमारे गहोई परिवारो में स्वास्थ्य,बुजुर्गों का सम्मान व बच्चों के संस्कार ध्यान में देने की जरूरत है,मैं चाहती हूँ कि दबोह में भी हमारी समाज का एक महिला मंडल बनाया जाए क्योंकि संगठन एक बहुत बड़ी ताकत रखता है इसलिए महिलाओं को भी हमारे समाज की एक टीम बनाकर महिला शक्ति को भी आंगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिये वैसे तो हमारे गहोई समाज मे ज्ञान की कमी नही है परंतु हमे उस ज्ञान को तरास कर बाहर निकालने की जरूरत है आज हमें हमारे समाज के युवाओं के ज्ञान व उनकी शक्ति जागृत करने की आवश्यकता है मेरे द्वारा समाज के हित मे कही गयी बातो को पूरा करने के लिए भविष्य में आपको मेरी आवश्यकता पड़ती है तो मै उसमे आपका पूरा सहयोग करने की कोशिश करेंगे।पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम कुचिया ने कहा कि समाज को एकजुट होने की जरूरत है जब तक हम एकजुट नही होते हैं तब तक कुछ भी सम्भव नही है।उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता-एकजुटता से ही समाज का विकास संभव है उन्होंने कहा कि शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर औरों को जीवन के रूपी लौ बनकर प्रकाश भर देता है।इसी क्रम में समाज के अन्य पदाधिकारियो ने भी समाज के लोगो के बीच मंच के द्वारा अपनी बात रखी।इस दौरान गहोई समाज पदाधिकारियो के द्वारा 75 वर्ष से ऊपर की उम्र के वृद्धजनों का सम्मान किया गया साथ ही राजनीति में सक्रिय व समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग मुकाम हांसिल करने वाले बालक बालिकाओ का भी सम्मान समाज के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।कार्यक्रम के अंत मे आभार व्यक्त दबोह गहोई समाज के अध्यक्ष बलराम सोनी(विजपुरिया) ने किया तो वहीं मंच का संचालन रजनीश पिपरसेनिया के द्वारा किया गया।इस दौरान समाज के वरिष्ठ लोगो में सीताराम

गुप्ता(मास्टर),केशव विजपुरिया,ओमप्रकाश तरसोलिया, पूर्व नप अध्यक्ष विष्णु दयाल बिलैया, साधुराम कोठारी, दिनेश मिठया, चप्पे कुरेले, मदन कुरेले, रामसेवक रौनी वाले, बसन्त लाल मैथाने वाले, जगदीश प्रसाद बरसैंया, जयप्रकाश सर्राफ, नारायण दास रीखोलिया, अवध किशोर गुप्ता(माधोगढ़ बाले) शिवनारायण सर्राफ, मुन्ना रेजा, रामप्रकाश कुचिया के साथ नवयुवक मंडल में राकेश कोठारी, अभय सेठ, मंगल कोठारी, सन्त विजपुरिया, गिरजाशंकर पिपरसेनिया, कल्लू विजपुरिया, अरविंद सांवला(छोटू नेता), चन्द्रभान सेठ,ब्रजेश तरसोलिया, अनिल सेठ (ढिंगरा), अरुण विजपुरिया, सोनू मैथाने वाले, मनोज खर्द,विनय बिलैया, मंगेश कोठारी, राममोहन कोठारी, राजीव कुचिया, राजू ककरौली बाले, हिमांशु पटेल(इलू), शिवम बांदिल, चिराग गुप्ता, प्रतीक गुप्ता, शिवा गुप्ता, नीरज महातेले, रामू कुरेले, कन्हैया विजपुरिया, शान्तनु गुप्ता, सागर गुप्ता, गोलू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महिला ने विषाक्त पदार्थ पिया

मऊरानीपुर (झाँसी) अलग - अलग स्थानों पर दो व्यक्तियों ने विषाक्त पदार्थ पी लिया। प्राप्त विवरण में बृजेन्द्र (26) पुत्र काशी प्रसाद निवासी गाँधीगंज, मदन कुशवाहा (60) पुत्र चन्दी कुशवाहा निवासी गाँधीगंज को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। मदन की हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

कोविड वैक्सीन टीकाकरण का महाअभियान हुआ प्रारंभ

रितेश कटरे ब्यूरो चिफ

बालाघाट / प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन के बाद जिले में कोविड वैक्सीन टीकाकरण का महा अभियान प्रारंभ किया गया। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कृषि मंत्री एवं वर्तमान विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन की मौजूदगी में जिला चिकित्सालय बालाघाट में जिले का पहला टीका सफाई कर्मचारी श्रीमती रंजीता वाघाड़े को एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लांजी में पूर्व विधायक श्री रमेश भटेरे की मौजूदगी में भूनेश किरनापुरे को लगाया गया। जिला चिकित्सालय बालाघाट में कोविड वैक्सीन का प्रथम वायल खोलने के साथ ही पहला टीका वार्ड नंबर-13 बुढ़ी बालाघाट की निवासी सफाई कर्मचारी श्रीमती रंजीता बाघाड़े को लगाया गया। इसके बाद दूसरे नंबर पर डॉ रोहित गुप्ता, तीसरे नंबर डॉ अर्चना गुप्ता, चौथे नंबर पर डॉ आशुतोष बांगरे, पांचवे नंबर पर डॉ सी के पारधी, छठवें नंबर पर डॉ रागिनी पारधी, सातवे नंबर पर स्वास्थ्य कर्मचारी आलोक श्रीवास्तव, आठवें नंबर पर एएनएम नीलू ठाकरे, नौवे नंबर पर ज्योति पटले एवं 10 वें नंबर पर मंजू कवरे को कोविड वैक्सीन का टीका लगाया गया। कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगाने के बाद आराम कक्ष में देखरेख में रखी गई रंजीता वाघाडे ने बताया कि कोरोना वैक्सीन का इंजेक्शन लगाने पर न तो उसे कोई घबराहट हुई और न ही दर्द हुआ हैं। उसने बताया कि इंजेक्शन लगने के बाद भी वह सामान्य ही हैं, उसे किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं हुई है। कोविड वैक्सीन लगाना और उसके बाद की प्रक्रिया पूरी तरह से सामान्य हैं और इसमें डरने की कोई बात नहीं है। कोविड वैक्सीन टीकाकरण अभियान के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर श्री दीपक आर्य, अपर कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ए, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय, सिविल सर्जन डॉ अजय जैन, जिला

टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप, डॉ आर के मिश्रा, डा संजय धबड़गांव, डॉ तिडगाम, एसडीएम श्री के सी बोपचे, तहसीलदार श्री रामबाबू देवांगन, गणमान्य नागरिकों में सत्य नारायण अग्रवाल, श्री सुरजीत सिंह ठाकुर, श्री संजू खंडेलवाल, श्री राकेश सेवईवार, जिला पंचायत सदस्य श्री झामसिंह नागेश्वर, समाजसेवी श्री ज्ञानचंद चोपड़ा एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार उपस्थित थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लांजी में पूर्व विधायक श्री रमेश भटेरे की उपस्थिति में टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होनें गुलदस्ता भेंट कर पहला टीका लगाने वाले सफाई कर्मचारी श्री भूनेश किरनापुरे का स्वागत किया। इस अवसर पर लांजी एसडीएम श्री रविन्द्र परमार, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रदीप गेडाम एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कोविड वैक्सीन का टीका लगाने के बाद सभी लोगों को आधे घंटे के लिए चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया। प्रथम चरण में टीका लगाने वाले सभी सफाई कर्मचारी, स्वास्थ्य कर्मी एवं डाक्टर प्रसन्न थे। टीका लगाने के बाद डाक्टर राहित गुप्ता, डॉ अर्चना गुप्ता, डॉ सी के पारधी एवं डॉ रागिनी पारधी ने कहा कि कोविड वैक्सीन का टीका पूरी तरह से सुरक्षित है और इसके कोई साईड ईफेक्ट भी नहीं होने वाले है। देश में ही वैज्ञानिकों द्वारा इस टीके को तैयार किया गया है और विभिन्न चरणों के परीक्षण में सफल होने के बाद आम लोगों को लगाने के लिए उपलब्ध कराया गया है। पूर्व कृषि मंत्री एवं वर्तमान विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन ने कोविड वैक्सीन टीकाकरण को प्रारंभ कराने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि उनके अथक परीश्रम एवं मार्गदर्शन से आज सम्पूर्ण भारत देश में कोविड वैक्सीन का टीकाकरण अभियान प्रारंभ हो गया है। कोविड वैक्सीन टीका पूरी तरह से सुरक्षित है और आम जन इसको लेकर किसी तरह के बहकावे में न आये और अफवाहों पर ध्यान न दें। कोविड वैक्सीन का टीका जिले में तीन चरणों में लगाया जायेगा। 16 दिसंबर से प्रारंभ किये गये प्रथम चरण में केवल स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जा रहा है। दूसरे चरण में फ्रंट लाईन वर्करों को यह टीका लगाया जायेगा और तीसरे चरण में 50 वर्ष से अधिक की आयु के लोगों एवं 50 वर्ष से कम आयु के विभिन्न बीमारियों से ग्रसित लोगों को यह टीका लगाया जायेगा। टीका लगने के बाद सभी लोग कोरोना से सुरक्षित हो जायेंगें और किसी को भी अपने परिजनों को कोरोना के कारण खोना नहीं पड़ेगा। 16 जनवरी 2021 से प्रारंभ हुए कोविड वैक्सीन टीकाकरण के अंतर्गत प्रथम सप्ताह में दोनो स्थानों पर 400-400 स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोविड वैक्सीन का टीका लगाया जायेगा। इनमें आशा कार्यकर्त्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता एवं स्वास्थ्य विभाग की एएनएम शामिल है। प्रथम सप्ताह में शनिवार, सोमवार, बुधवार एवं गुरूवार को प्रातः 09 बजे से शाम 05 बजे तक टीका लगाया जायेगा और एक केन्द्र पर एक दिन में 100 लोगों को ही टीका लगाया जायेगा । टीके के एक वायल में 10 डोज रखे गये है। अतः टीकाकरण केन्द्र में टीका लगावाने आये 10 लोगों के मौजूद रहने पर ही टीके का वायल खोला जायेगा। टीका लगवाने के बाद व्यक्ति को आधे घंटे के लिए टीकाकरण केन्द्र पर ही रूकना होगा। द्वितीय चरण में जिला चिकित्सालय बालाघाट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लांजी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरेगांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किरनापुर में टीका लगाया जायेगा। कोविड वैक्सीन टीके का दूसरा डोज 28 दिनों के बाद लगाया जायेगा।

पुलिस ने गाँजा के साथ व्यक्ति पकडा, मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) कोतवाली पुलिस से रानीपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने रामकृपाल उर्फराका पुत्र गुलाब सिंह यादव निवासी लुहरगाँव , रानीपुर के द्वारा अभियुक्तगणों के कब्जे से 1 किलोग्राम 500 ग्राम गाँजा बरामद किया गया । जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 8/20 एनडीपीसी एक्ट के तहत पंजीकृत कर लिया।

विभिन्न सडक दुर्घटना में पाँच घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) विभिन्न सडक दुर्घटनाओं में पाँच व्यक्ति घायल हो गये । प्राप्त विवरण में उदयभान (35) पुत्र लक्ष्मन दास निवासी रौरा, रामलखन दुबे (60) पुत्र रामगोपाल निवासी अल्याई, कामनी (8) पुत्री राजू निवासी मथुपुरा, वर्षा (7) पुत्री राजू निवासी मथुपुरा, शनि (2) पुत्र रवि निवासी वीरपुरा को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया।

कोरोना वैक्सीन टीकाकारण आने से लोगों के खिले चेहरे

बंगरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एसडीएम ने किया शुभारम्भ, आकाँक्षा वैध को लगा पहला टीका

मऊरानीपुर (झाँसी) कोरोना वायरस को लेकर जहाँ लोग काफी परेशानी का सामना कर रहे थे। जिसके चलते तमाम लोग अपनी जान गवाँ चुके तो तमाम ठीक होकर अपने घर आये। इसी के भय को देखते हुये शासन प्रशासन भी कडाई से इस पर अपनी नजर रखे रहा है। जिसमें आपको बता दे कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ अनेकों प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने कोरोना वायरस को लेकर अपने प्रदेश पर प्रधानमंत्री जी की गाईड लाईन का पूर्ण रुप से पालन किया। और कोरोना वायरस की गाईड लाईन के अनुसार चलते हुये तमाम बातों को दिमाग में रखा। जिसमें मास्क लगाना, सैनिटाईजर करना, सोशल डिस्टेंस बनाये रखना आदि तमाम प्रकार की सर्तकता की। साथ ही प्रशासन को भी सख्त निर्देश दिये। जिसके चलते प्रशासन भी पूर्ण रुप से सख्ती के साथ शासन की गाईड लाईन लोगों तक पहुँचाता रहा है। इसी क्रम में जिला झाँसी से जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने भी पूरे कोरोना काल प्रारम्भ से वर्तमान समय तक बराबर लोगों को जागरुक किया और बराबर कर रहे है। इसी प्रकार मऊरानीपुर उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव जो मऊरानीपुर

वासियों के लिये लोकप्रिय अफसर बन गये है। पूरे कोरोना काल से लेकर वर्तमान में हर सम्भव लोगों को मदद और पूर्ण न्याय दिलाना आपकी प्रथम प्राथमिकता देखी जा रही है। इसी के चलते देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा कोरोना वैक्सीन टीकाकारण का शुभारम्भ करते हुये, पूरे देश में शुभारम्भ किया गया । जिसमें तहसील मऊरानीपुर के बंगरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर अंकुर श्रीवास्तव ने शासन प्रशासन के निर्देशों के पालन में टीकाकरण का शुभारम्भ किया। वही शुभारम्भ के साथ उन्होनें कहा कि स्वास्थ्य कमियों ने जो कोरोना काल में मेहनत की और अपनी जान से लडते हुये लोगों को बचाया उनकी सराहना की। और कोरोना योद्वा के रुप में रहे। साथ ही उन्होनें अपने स्वदेशी वैक्सीन के लिये भी सराहते हुये लोगों को जागरुक किया। वही उनके द्वारा बताया गया कि पहला टीका आकाँक्षा वैध को लगाया गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी झाँसी डॉ. आर. एस. वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्साधीक्षक डॉ. वैभव पुरोहित, डॉ. पवन सिंह परिहार, अमरीश खरे, रॉबिसन तिवारी, महेन्द्र देसाई, देवेन्द्र नामदेव के साथ थाना प्रभारी उल्दन अजय कुमार अवस्थी व बंगरा पुलिस चौकी प्रभारी बृजेश सिंह सेंगर आदि स्वास्थ्य केन्द्र स्टाफ मौजूद रहा।

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) ब्राहम्ण समाज की एक शोकसभा ब्राहम्ण समाज के अध्यक्ष लाल जी तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें अमित मिश्रा पत्रकार के चाचा मऊदेहात निवासी हल्काई मिश्रा के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। शोकसभा में मनोज मिश्रा, राजू रावत, आशुतोष सूरौठिया, सतीश तिवारी, अम्बादत्त तिवारी, समीर तिवारी, गौरव चौबे, ज्ञानेश पटैरिया, सौरभ चौबे, कपिल शर्मा, रमेश पाठक, आशुतोष पाठक, संजू पाठक, संजीव तिवारी, सौरभ भार्गव, जीत नायक, रवि तिवारी, गौरव शर्मा अदि ब्राहम्ण समाज के लोग मौजद रहे।

ग्राम कुरैचा निवासी अभियुक्त अजय खंगार पुत्र चतुर्भुज खंगार जो फरार चल रहा है जिसके विरुद्व 82

मऊरानीपुर (झाँसी) कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम कुरैचा निवासी अभियुक्त अजय खंगार पुत्र चतुर्भुज खंगार जो धारा 147, 148, 149, 302 आईपीसी में फरार चल रहा है। जिसके विरुद्व 82 की कार्यवाही ग्राम में मुनादी करवाकर की गयी। साथ ही अभियुक्त के दरवाजे पर गवाहों की मौजूदगी में 82 की नोटिस चस्पा किया गया। कार्यवाही करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी शैलेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार सिंह, हेड कॉन्सटेविल अशोक कुमार, कॉस्टेविल रवी भदौरिया आदि हमराही फोर्स मौजूद रहा।

न्यूज. ब्रीफ

गोकुलम केरला ने पंजाब एफसी को हराया

कोलकाता। गोकुलम केरला एफसी ने यहां आई लीग फुटबॉल मुकाबले में राउंडग्लास पंजाब एफसी के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-3 से जीत दर्ज की है। शुरूआत में केरला एफसी दो गोल से पिछड़ रही थी पर इसके बाद उसने शानदार खेल दिखाया। इस मैच में केरला के डेनिस अंतवी ने 69वें और 73वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं पंजाब एफसी की ओर से चेचो गेल्टशेन ने दो गोल किये थे। गेल्टशेन ने 18वें और 25वें मिनट में गोल कर पंजाब एफसी को 2-0 से आगे कर दिया था। गोकुलम को हालांकि दूसरे हाफ के 75वें मिनट में अनवर अली के आत्मघाती गोल का लाभ मिला। इससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही। गोकुलम की ओर से गोल करने की शुरूआत फिलिप एडजाह ने 26वें मिनट में की। वहीं पंजाब एफसी की ओर से तीसरा गोल रूपर्ट नोनग्रम ने 44वें मिनट में किया।

कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए वेस्टइंडीज के स्पिनर वाल्श

ढाका। बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे वेस्टइंडीज टीम के लेग स्पिनर हेडन वाल्श जूनियर कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं हालांकि वाल्श में कोरोना संक्रमण के कोई लक्षण नहीं पाये गए हैं।वह पिछले दो दिन में दो बार हुई जांच में पॉजिटिव पाये गए। इससे पहले दस जनवरी को ढाका पहुंचने के बाद उनकी जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई थी पर बुधवार और गुरूवार को परिणाम पॉजिटिव पाये गये। अब वह पृथकवास पर है जब तक कि जांच के दो परिणाम नेगेटिव नहीं आ आते। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, बुधवार को हुई पीसीआर जांच के बाद वाल्श जूनियर कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं और अब पृथकवास पर रहेंगे। ऐसे में अब वाल्श बांग्लादेश के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह भी कहा कि उन्होंने टीम के बाकी सदस्यों से संपर्क नहीं किया था इसलिए श्रृंखला को कोई खतरा नहीं है।

बाबर आजम की बढ़ सकती हैं मुश्किलें कोर्ट ने यौन शोषण का मामला दर्ज करने का दिया आदेश

कराची। लाहौर की एक अदालत ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। लाहौर की हमिजा मुख्तार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि इस क्रिकेटर ने 10 साल तक उनका यौन शोषण किया, जबर्दस्ती गर्भपात कराया और उनसे शादी का झूठा वादा किया। याचिकाकर्ता ने सबूतों के तौर पर अपने चिकित्सा दस्तावेजों को संलग्न किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नोमान मोहम्मद नईम ने दोनों पक्षों के वकीलों की जिरह के बाद नसीराबाद पुलिस थाने के थानाध्यक्ष को बाबर के खिलाफ तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। दरअसल, पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान की एक महिला ने बाबर आजम पर बलात्कार करने का आरोप लगाया था और इस मामले को कोर्ट तक लेकर गई थी। महिला ने यह भी कहा कि मुश्किल वक्त में उन्होंने बाबर की आर्थिक तौर पर भी मदद की थी। महिला ने बताया कि वह और बाबर स्कूल के दोस्त हैं और क्रिकेटर ने 2010 में उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। महिला ने यह भी कहा कि 26 साल के इस क्रिकेटर ने पुलिस में जाने से पहले उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी थी। पाकिस्तानी जर्नलिस्ट साज सादिक ने अपने ट्विटर हैंडल से इस महिला की प्रेस कॉन्फ्रेंस की वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में महिला ने बाबर आजम पर उन्हें कोर्ट मैरिज के नाम पर घर से भगाकर शोषण करने और मारपीट करने के भी आरोप लगाए। महिला ने कोर्ट में यह भी खुलासा किया कि उन्होंने नसीराबाद पुलिस स्टेशन में एफआईआर भी दर्ज कराई थी, लेकिन बाद में उन्होंने केस वापस ले लिया। एफआईआर दर्ज होने के बाद बाबर आजम ने उन्हें फिर से शादी का भरोसा दिया। महिला का आरोप है कि जैसे ही आजम बड़े खिलाड़ी बन गए, उन्होंने शादी करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वह दोबारा पुलिस स्टेशन पहुंची, लेकिन पुलिस ने फिर से केस दर्ज करने से मना कर दिया।

| ब्रिस्बेन में पहले दिन बराबरी का टेस्ट: डेब्यू मैच खेल रहे नटराजन ने 2 और वॉशिंगटन ने एक विकेट लिया |

लाबुशेन के शतक से आस्ट्रेलिया संभला

ब्रिस्बेन ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे ब्रिस्बेन टेस्ट में पहले दिन दोनों टीम के बीच बराबरी का खेल रहा। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने खेल खत्म होने तक 3.15 के रनरेट से 5 विकेट गंवाकर 274 रन बनाए। कप्तान टिम पेन (38) और कैमरून ग्रीन (28) नाबाद हैं। दोनों के बीच 61 रन की पार्टनरशिप हुई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने टेस्ट करियर का अपना 5वां शतक जड़ा। उन्होंने 204 बॉल पर 108 रन की पारी खेली। वहीं, डेब्यू मैच खेल रहे तेज गेंदबाज टी नटराजन ने 2 और स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। इनके अलावा मोहम्मद सिराज और शार्दूल ठाकुर को भी 1-1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मैच के पहले ही ओवर में मोहम्मद सिराज ने पहला झटका दिया। ओपनर डेविड वॉर्नर एक रन बनाकर स्लिप में रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट हुए। दूसरा झटका शार्दूल ठाकुर ने अपने पहले और मैच के 9वें ओवर में दिया। उन्होंने ओपनर मार्कस हैरिस (5) को वॉशिंगटन सुंदर के हाथों कैच आउट कराया। ऑस्ट्रेलिया ने 17 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद स्टीव स्मिथ ने लाबुशेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला। हालांकि, डेब्यूटेंट वॉशिंगटन ने करियर का पहला विकेट लेते हुए जोड़ी तोड़ दी। उन्होंने स्मिथ को 36 रन पर रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराया।

लाबुशेन ने गाबा में ब्रेडमैन को पीछे छोड़ा

गाबा के मैदान पर लाबुशेन ने 3 पारियों में 326 से ज्यादा रन बनाकर लीजेंड सर डॉन ब्रेडमैन को पीछे छोड़ दिया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लीजेंड ने इतनी ही पारियों में इस मैदान पर सबसे ज्यादा 326 रन बनाए थे।

सैनी चोटिल होकर मैच से बाहर

तेज गेंदबाज सैनी चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उन्हें हैमस्ट्रिंग की शिकायत हुई। वाकया ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 36वें ओवर की है। 5वीं बॉल फेंकने के बाद उन्हें दांए पैर की मांसपेशियों में खिंचाव की शिकायत हुई। इसके बाद ओवर की आखिरी बॉल रोहित शर्मा ने की।

नटराजन ने ऑस्ट्रेलिया को दो झटके दिए

इसके बाद नटराजन ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार दो ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने मैथ्यू वेड (45) को शार्दूल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया। वेड ने मार्नस लाबुशेन के साथ 113 रन की पार्टनरशिप की। इसके बाद लाबुशेन भी नटराजन की बॉल पर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट हुए।

भारतीय टीम में 4 बदलाव

टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में 4 बदलाव किए गए। चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, स्पिनर रविचंद्रन अश्विन, ऑलराउंडर हनुमा विहारी और रविंद्र जडेजा बाहर हुए। उनकी जगह नटराजन, वॉशिंगटन सुंदर, मयंक अग्रवाल और शार्दूल ठाकुर को मौका मिला। टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज टी नटराजन और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को मौका मिला। यह उनका डेब्यू टेस्ट है। नटराजन एक ही दौरे पर तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) में डेब्यू करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

लियोन 100 टेस्ट खेलने वाले 13वें ऑस्ट्रेलियन

स्पिनर नाथन लियोन अपना 100वां टेस्ट खेल रहे। मैच से पहले उन्हें टीम ने ग्रीन बैगी कैप के साथ गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे 13वें ऑस्ट्रेलियन प्लेयर हैं। रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ ने सबसे ज्यादा 168-168 टेस्ट खेले।

ओपनर पुकोव्स्की बाहर

ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले टेस्ट में डेब्यू करने वाले युवा ओपनर विल पुकोव्स्की ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर हो गए। उनकी जगह मार्कस हैरिस को मौका मिला। पुकोव्स्की को कंधे में मोच की शिकायत है। उन्होंने डेब्यू टेस्ट में 72 रन बनाए थे।

टीम इंडिया पिछली दो टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी

दोनों टीम के बीच सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। ऐसे में टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया से लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने का मौका है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फरवरी 2017 और दिसंबर 2018 में खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शिकस्त दी थी। विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2018 में इतिहास रचा था और पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में शिकस्त दी थी। हालांकि, यह मैच भारत के लिए आसान नहीं होने वाला, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड ब्रिस्बेन में शानदार है। कंगारू टीम यहां पिछले 32 साल से कोई भी टेस्ट मैच नहीं हारी है।

जो रूट ने 13 महीने बाद जड़ा टेस्ट क्रिकेट में शतक इंग्लैंड ने श्रीलंका पर बनाई 185 रनों की बढ़त

गाले ■ एजेंसी

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट (खबरी पृष्ठ१३) ने 13 महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक जमाकर अपने लंबे इंतजार को खत्म किया. उनके अलावा डेब्यू बल्लेबाज डैन लॉरेन्स ने पहली पारी में ही प्रभाव छोड़ा जिससे इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली. बारिश के कारण टी के बाद का खेल नहीं हो पाया. इंग्लैंड ने चार विकेट पर 320 रन बनाकर पहली पारी में 185 रन की बढ़त हासिल कर ली है. श्रीलंका की टीम पहली पारी में 135 रन पर आउट हो गयी थी. रूट ने 254 गेंदों का सामना करके नाबाद 168 रन बनाए हैं जबकि लॉरेन्स ने 150 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली. इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 173 रन की साझेदारी की. रूट ने इससे पहले जॉनी बेयरस्टो (47) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रन जोड़े थे. लॉरेन्स को उनकी पारी के दौरान विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने दो जीवनदान दिए. ऑफ

स्पिनर दिलरूवान पेरेरा ने दूसरे सेशन के अंतिम क्षणों में दूसरी नई गेंद से लॉरेन्स को फारवर्ड शॉर्ट लेग पर कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी. इससे पहले इंग्लैंड ने सुबह दो विकेट पर 127 रन से आगे खेलना शुरू किया. बेयरस्टो अपने कल के स्कोर पर ही आउट हो गए. श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाज लेसिथ इमबुलदेनिया (131 रन देकर तीन विकेट) ने उन्हें गली में कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया. रूट ने सुबह 66 रन से पारी आगे बढ़ाई. उन्होंने लंच के बाद पहले ओवर में एक रन लेकर अपना 18वां टेस्ट शतक पूरा किया. यह श्रीलंका के खिलाफ उनका दूसरा शतक है. नवंबर 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में 226 रन बनाने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का यह पहला शतक है. जब दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब रूट के साथ जोस बटलर सात रन पर खेल रहे थे.

8000 रन पूरा करने से सिर्फ नौ कदम दूर रूट

अपना 98वां टेस्ट मैच खेल रहे जो रूट 8000 के क्लब में शामिल होने से सिर्फ नौ रन दूर हैं. वह यह मुकाम हासिल करने वाले इंग्लैंड के सातवें क्रिकेटर होंगे. उनसे ज्यादा रन इंग्लैंड के लिए एलिस्टर कुक (12472), एलेक स्टीवर्ट (8463), डेविड गॉवर (8231), केविन पीटरसन (8181) और ज्यॉफ्री बॉयकाट (8114) ने बनाए हैं. (भाषा इनपुट के साथ)

अर्जुन तेंडुलकर ने मुंबई की सीनियर टीम में किया पदार्पण

मुंबई ■ एजेंसी

महान क्रिकेटर और शीर्ष बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के 21 वर्षीय पुत्र अर्जुन अब इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी के लिए क्वॉलिफाई हो गए हैं क्योंकि उन्होंने मुंबई की टीम के लिए अपना डेब्यू कर लिया है। बाएं हाथ के उभरते हुए तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ने शुक्रवार को यहां हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ई लीग ग्रुप मैच में मुंबई की सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया। वह 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हालांकि उन्होंने कोई गेंद नहीं खेली। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। मुंबई की टीम 19.3 ओवर में 143 पर ऑल आउट हो गई। हरियाणा की ओर से जयंत यादव ने चार और अरुण चपराणा ने 3 विकेट लिए। मुंबई की ओर से अथर्व अंकोलेकर ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 35 रनों का योगदान दिया। सरफराज खान ने 30 रन बनाए। इनके अलावा मुंबई का कोई अन्य बल्लेबाज योगदान नहीं दे सका। अर्जुन 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। तेंदुलकर जूनियर को एक अन्य तेज गेंदबाज कृतिक हनागावाड़ी के साथ मुंबई की टीम में शामिल किया गया जिसका चयन सलिल अंकोला वाली चयन समिति ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के कुल 22 खिलाड़ियों को चुने जाने की अनुमति के बाद किया। अर्जुन मुंबई के लिए विभिन्न उम्र के ग्रुप टूर्नामेंट में खेलते रहे हैं और वह उस टीम का भी हिस्सा थे जो इनविटेशन टूर्नामेंट खेलती है। अर्जुन को भारत की राष्ट्रीय टीम के नेट में भी गेंदबाजी करते हुए देखा गया और उन्होंने 2018 में श्रीलंका का दौरा करने वाली अंडर-19 टीम में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

अमेरिकी फिगर स्केटिंग मुकाबले

लास वेगास में अमेरिकी फिगर स्केटिंग मुकाबले में भाग लेते हुए एंड्रियू ल्यू वह मिसा मिट्राफेनोव।

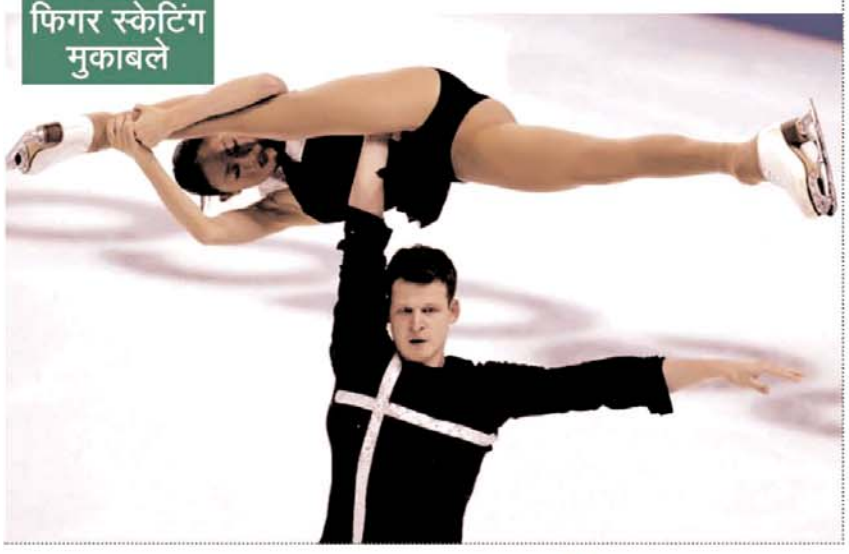

26वां आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस टी-20 क्रिकेट आज से

भोपाल। 26वां आईईस डिजिआना इंटर प्रेस टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट शनिवार से ओल्ड कैंपियन मैदान पर आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मप्र विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा करेंगे। आयोजन कमेटी ने बताया कि टूर्नामेंट के दौरान कोविड गाइड लाइन का पूर्णतः पालन किया जाएगा। जिसके लिए मास्क और सैनिटाइजर की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा उपस्थित दर्शकों और खिलाड़ियों से सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखने की अपील भी की गई है। जानकारी के मुताबिक इसमें इस बार भी उतनी ही टीमें हिस्सा ले रही हैं, जितनी पिछले वर्ष खेली थी। प्रतियोगिता में लीग कम नाकआउट आधर पर खेला जाएगा। टूर्नामेंट कुछ मैच बाबे आली और फेथ क्रिकेट क्लब पर भी खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की विजेता टीम को एक लाख रुपए और उपविजेता को 50 हजार रुपए की राशि के अलावा चमचमाती ट्रॉफी भेंट की जाएगी। हर बार की तरह टूर्नामेंट सफेद ड्रेस में लाल गेंद से खेला जाएगा। प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच न्यूज वर्ल्ड और गत वर्ष की उपविजेता जनसंपर्क के बीच खेला जाएगा।

- प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा करेंगे टूर्नामेंट का शुभारंभ
- उद्घाटन मुकाबला गत विजेता जनसंपर्क और न्यूज वर्ल्ड के बीच

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2021: टूर्नामेंट के लिए मेलबर्न पहुंचे जोकोविच नडाल और सेरेना समेत कई दिग्गज, 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन

मेलबर्न ■ एजेंसी

साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए सभी दिग्गज टेनिस प्लेयर्स के मेलबर्न पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, सेरेना विलियम्स, विक्टोरिया अजारेंका, स्टैन वावरिंका समेत कई दिग्गज खिलाड़ी मेलबर्न पहुंच चुके हैं। इन सभी को टूर्नामेंट से पहले 14 दिनों के लिए क्वारैंटाइन कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरूआत 8 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस बार 16 पुरुष और 16 महिला खिलाड़ी सिंगल्स कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सभी खिलाड़ियों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से 15 चार्टर्ड प्लेन के जरिए मेलबर्न लाया गया। 2 बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता विक्टोरिया अजारेंका मेलबर्न पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी रहीं। वहां, पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने फोटो भी शेयर किया। स्टैन वावरिंका ने भी मेलबर्न पहुंचने के बाद फोटो शेयर किया। उनके अलावा सिमोना हालेप, जोकोविच, नाओमी ओसाका भी मेलबर्न पहुंचे हैं। सेरेना विलियम्स अपने बेटी के साथ मेलबर्न पहुंचीं। ऑस्ट्रेलियन ओपन का आगाज 8 फरवरी से होगा। टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों को 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन किया गया। हालांकि, क्वारैंटाइन के दौरान बायो-बबल में उन्हें 4 से 5 घंटे ट्रेनिंग की इजाजत होगी। इससे पहले गुरुवार को ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस प्लेयर और पूर्व नंबर-1 एंडी मरे कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 3 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फिलहाल अपने घर में आइसोलेटेड हैं। अब उनके ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने पर संदेह की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हालांकि, टूर्नामेंट ऑर्गेनाइजर ने कहा है कि मरे पर कोई रहम नहीं दिखाया जाएगा।

एलन मस्क ने की पुष्टि, विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए पांच राज्यों के साथ बातचीत जारी

नई दिल्ली। टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने इसकी पुष्टि की है कि उनकी कंपनी भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी ने हाल में भारत में अपनी इकाई टेस्ला इंडिया का पंजीकरण किया है। कंपनी इसी साल भारत में परिचालन शुरू कर सकती है। मस्क ने ब्लॉग के लिंक वाले ट्वीट समूह के जवाब में ट्वीट किया, वादे के मुताबिक। ब्लॉग में विश्लेषण किया गया है कि भारी कीमतों के बावजूद टेस्ला कारों के लिए भारत एक प्रमुख बाजार के रूप में किस तरह विकसित हो सकता है। इस सप्ताह के प्रारंभ में पता चला था कि अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिमार्ता टेस्ला ने अपनी भारतीय इकाई का पंजीकरण किया है, और वह भारत के ऑटोमोबाइल बाजार में प्रवेश करने के लिए तैयार है। नियामकीय सूचना के अनुसार कंपनी ने टेस्ला इंडिया मोटर्स एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का बेंगलुरु स्थित कंपनियों के पंजीयक के पास पंजीकरण कराया है। कंपनी का पंजीकरण एक लाख रुपए की चुकता पूंजी के साथ एक असूचीबद्ध निजी संगठन के रूप में पंजीकरण किया गया है। सूचना के अनुसार वैभव तनेजा, वेंकटरंगम श्रीराम और डेविड जॉन फिस्टीन को टेस्ला इंडिया का निदेशक नियुक्त किया गया है।

नुकसान ➤ पंजाब में रिलायंस इंडस्ट्रीज के आधे से अधिक करीब 100 स्टोर अक्टूबर के महीने से बंद हैं

किसान आंदोलन के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉलमार्ट के करोड़ों रुपए हुए स्वाहा

मोहाली ■ एजेंसी

नए कृषि कानूनों को लेकर किसान सड़कों पर है। दिल्ली की सीमाओं पर डटे हुए उन्हें 50 दिन से अधिक हो चुके हैं। किसानों का गुस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज, वॉलमार्ट जैसी कंपनियों के स्टोर पर भी फूट रहा है। इससे कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। खबर के मुताबिक पंजाब में रिलायंस इंडस्ट्रीज के आधे से अधिक करीब 100 स्टोर अक्टूबर के महीने से बंद हैं। जबकि वालमार्ट को भी बठिंडा में अपने 50,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले एक बड़े थोक स्टोर को बंद रखना पड़ रहा है।

सूत्रों ने बताया कि पंजाब में किसानों का विरोध अधिक कड़ा है। कंपनियों को उनके स्टोर में तोड़फोड़ होने का डर है। इसकारण संपत्ति और स्टोर के कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर उन्हें अपने स्टोर बंद रखने पड़ रहे हैं।

रिटेल उद्योग से जुड़े सूत्र ने कहा कि राज्य भर में रिलायंस के स्टोर बंद रहने से करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान है। दो अन्य सूत्रों ने कहा वॉलमार्ट के इस तरह के देश में 29 स्टोर हैं। बठिंडा वाले स्टोर के बंद रहने से कंपनी को करीब 59 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। सूत्र ने कहा, किसान रोजाना वॉलमार्ट के स्टोर के बाहर धरना देते हैं। वह दिन भर किसी को अंदर नहीं आने देते है। इस स्टोर में करीब 250 लोग नौकरी करते हैं। वॉलमार्ट और उसकी भारतीय इकाई फ्लिपकार्ट समेत रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से मना कर दिया है। विरोध कर रहे किसानों में अधिकतर पंजाब से हैं। किसानों के कई नेता भी पंजाब-हरियाणा से हैं। डेमोक्रेटिक फार्मर्स यूनियन के कुलवंत सिंह संधू का कहना है कि रिलायंस के खिलाफ उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। अन्य किसान नेता जगतार सिंह ने कहा कि सरकार जब तक इन कानूनों को वापस नहीं लेती तब तक वह रिलायंस का विरोध करते रहने वाले है।

कोरोना के कारण भारत से वाहनों का निर्यात 18.87 प्रतिशत कम हुआ

नई दिल्ली। कोरोना से वर्ष 2020 में भारत से वाहनों का निर्यात 18.87 प्रतिशत कम हो गया। वाहन विनिमार्ता कंपनियों के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों में इसकी जानकारी मिली। सियाम ने कहा कि पिछले साल भारत से 38,65,138 वाहनों का निर्यात किया गया, जबकि 2019 में 47,63,960 वाहनों का निर्यात किया गया था। वाहनों के निर्यात में गिरावट आने का मुख्य कारण यात्री वाहनों का निर्यात कम होना रहा। इस दौरान यात्री वाहनों का निर्यात साल भर पहले की 7,06,159 इकाइयों की तुलना में 39.38 प्रतिशत घटकर 4,28,098 इकाइयों पर आ गया। इस दौरान यात्री कारों का निर्यात 47.89 प्रतिशत घटकर 2,76,808 इकाइयों पर आ गया। 2019 में 5,31,226 यात्री कारों का निर्यात किया गया था। यूटिलिटी वाहनों का निर्यात भी अवधि में 1,71,440 इकाइयों की तुलना में 12.60 प्रतिशत कम होकर 1,49,842 इकाइयों पर आ गया। निर्यात में प्रमुख योगदान देने वाले एक अन्य खंड दोपहिया में भी गिरावट देखने को मिली। इसका निर्यात 34,52,483 इकाइयों से 12.92 प्रतिशत कम होकर 30,06,589 इकाइयों पर आ गया। स्कूटरों का निर्यात 3,72,025 इकाइयों से 37.28 प्रतिशत गिरकर 2,33,327 इकाइयों पर आ गया।

एक नजर...

10 दिन के अंदर सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू नही हुआ, तो होगा जन आन्दोलनः डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा से कॉग्रेस विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज नगर निगम आयुक्त को पत्र के माध्यम से बताया कि मेरी विधानसभा क्षेत्र के कई मुख्य मार्गो की सड़कों पर जगह-जगह पर गढ्ढे हो रहे है। जिसके कारण आमजन को काफी परेषानियों होने के साथ-साथ आये दिन दुर्घटनायें घटित हो रही है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र में ऊँट पुल से नया बाजार चौराहा तक, दाल बाजार रोड, षीतला सहाय चौराहा से नाकाचन्द्रवदनी तिराहा तक, सूर्य मंदिर से पानी की टंकी पिन्टू पार्क तिराहा तक, 7 नम्बर चौराहा मुरार से गोला मंदिर चौराहा तक, 7 नम्बर चौराहा मुरार से सी.पी. कॉलोनी तक, बारादरी चौराहा से हुरावली चौराहा तक, आठ दुकान थाठीपुर से दर्पण कॉलोनी तक मेन रोड, बारादरी चौराहा से 6 नम्बर चौराहा की मैन रोड एवं अन्य कई सड़कों की स्थिति जर्जर हालत में है। जिसके कारण आये दिन इन सड़कों पर दुर्घटनायें होती है, बारिष के मौसम में इन सड़कों के गढ्ढों में पानी भर जाता है जिस कारण लोग गढ्ढो में गिर जाते है। डॉ. सिकरवार ने पत्र के माध्यम से नगर निगम आयुक्त से कहा कि अगर 10 दिन के अंदर क्षेत्र में जर्जर पडी सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू नही किया गया तो मैं हजारों कॉग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जन आन्दोलन करूंगा।

स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण गर्व का विषयः मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना से बचाव के लिए स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण और उसका प्रयोग गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का ही यह परिणाम है कि आज से देशवासियों को इस मेड इन इंडिया वैक्सीन का लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। सच ही कहा गया है कि मोदी है तो मुमकिन है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज हमीदिया अस्पताल के कोविड ब्लाक एक में कोविड वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में हमीदिया अस्पताल में कार्यरत वार्ड बॉय श्री संजय यादव को प्रथम वैक्सीन लगाया गया। प्रथम चरण में प्रदेश में आज 2 लाख 25 हजार टीके लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रथम वैक्सीन लगवाने वाले वार्ड बॉय श्री संजय यादव को बधाई दी। श्री संजय यादव ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को अभिवादन कर धन्यवाद दिया। वैक्सीन अभियान प्रारंभ होने के अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, कमिश्नर भोपाल श्री कवीन्द्र कियावत, संचालक जनसंपर्क श्री आशुतोष प्रताप सिंह उपस्थित थे।

वैज्ञानिकों को किया प्रणाम-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन प्रोग्राम की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी मैन ऑफ आइडियाज हैं। उन्होंने समय रहते संकट को पहचान लिया था। कोरोना के नियंत्रण के लिए देश में उनके द्वारा किए गए प्रयास ऐतिहासिक हैं। कोरोना से बचाव के लिए स्वदेशी वैक्सीन के निर्माण और आज से अभियान के रूप में देशव्यापी स्तर पर वैक्सीन लगाने का कार्य शुरू हुआ है। इसके लिए निश्चित ही हमारे वैज्ञानिक विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने दिन-रात एक कर वैक्सीन के निर्माण का कार्य किया। मैं वैज्ञानिक समुदाय को प्रणाम करता हूँ।

बलिदानियों का स्मरण-मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उन बलिदानियों का स्मरण स्वाभाविक है जिन्होंने कोरोना से प्रभावित लोगों का तब इलाज किया जब संक्रमित व्यक्ति के नाम से ही सभी घबराते थे। अनेक चिकित्सक उपचार सेवाएं देते-देते अपना जीवन त्याग कर दुनिया से चले गये। उन सभी को नमन करते हुए वैक्सिनेशन प्रारंभ किया जा रहा है।

प्राथमिकता क्रम तय है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीकाकरण के लिए प्राथमिकता क्रम निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में कोरोना वॉरियर्स को टीका लगाया जाएगा जिसमें मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल हैं। इसमें सरकारी और निजी अस्पतालों के सेवाभावी चिकित्सक भी टीका लगवाएंगे। अगले क्रम में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को टीका लगेगा जिनमें राजस्वकर्मी, पुलिसकर्मी, नगरीय निकायों के कर्मचारी आदि शामिल हैं। पचास वर्ष की आयु से अधिक के नागरिकों तथा ऐसे नागरिकों जो पचास वर्ष से कम आयु के हैं, परंतु एकाधिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त हैं, उनका टीकाकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीका लगाने के बाद छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो सकती है जिसका प्रबंध किया गया है। यह टीका सुरक्षित है। पहला टीका लगने के 28 दिन बाद दोबारा टीका लगेगा। इसके पश्चात 14 दिन में एंटीबॉडी विकसित होगी। टीका लगने के 30 मिनट पश्चात तक आब्जर्वेशन किया जाएगा कि टीका लगवाने वाले व्यक्ति को कोई ए ई एफ आई लक्षण तो नहीं है। ऐसा होने पर प्रबंधन की व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, आलोचना से बाज आएं-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुछ लोगों का यह कहना कि मुख्यमंत्री बाद में टीका लगवाएंगे, उचित नहीं है। उन्हें सोचना चाहिए कि प्रत्येक विषय पर आलोचना ठीक नहीं है। यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। सभी को एक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोटोकॉल के तहत अपना नंबर आने पर ही वे टीका लगवाएँगे। वे प्रोटोकॉल के तहत तृतीय चरण में वैक्सीन लगवाएंगे क्योंकि जिन्होंने जनता की जिंदगी बचाने का कार्य किया उन्हें प्राथमिकता से टीका लगना चाहिए। यही न्यायसंगत भी है। प्राथमिकता जो देश ने तय की है उसका पालन होना चाहिए। कुछ लोग इस संबंध में भ्रम फैला रहे हैं, इससे अहित होगा।

चाक-चौबंद हैं इंतजाम-मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 150 स्थानों पर वैक्सिनेशन शुरू किया गया है। प्रथम चरण में कोरोना वारियर्स को इसका लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश में भी प्राथमिकता क्रम में निर्धारित श्रेणियों के अनुसार वैक्सीन लगाई जाएंगी। पहली वैक्सीन लगवाने के पश्चात दूसरी निर्धारित अवधि 28 दिन के बाद लगेगी। इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। यह पूरी तरह प्रामाणिक है। नागरिकों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए यह प्रभावी सिद्ध होगी। वैक्सीन के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर हमीदिया अस्पताल स्टाफ के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने दिया संजय यादव को धन्यवाद-मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में प्रथम वैक्सीन वार्ड बॉय श्री संजय यादव ने लगवाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संजय को धन्यवाद देते हुए हालचाल पूछा। संजय ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिवादन किया। इस अवसर पर डॉ. ए.के. उपाध्याय, स्टाफ नर्स सुश्री उषा किरण, एएनएम सुश्री शकुन कर्णवाल, साफ्टवेयर इंजीनियर सुश्री अंजलि राठौर ड्यूटी पर थे।

कैट के प्रयासों से हॉलमार्किंग कानून अब 16 जून से लागू होगाः भूपेन्द्र जैन

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने बताया कि हॉलमार्किंग कानून जो कि 16 जनवरी 2021 से लागू होना था, कैट के प्रयासों से अब 16 जून 2021 से लागू होगा। कैट ने लगातार इसके लिए प्रयास किये थे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने तत्कालीन उपभोक्ता मामलों के मंत्री स्व. श्री रामविलास पासवान से मिलकर इस कानून को लागू करने की तारीख बढाने का अनुरोध किया था और ये प्रसन्नता की बात है कि 6 महीने का समय भारत सरकार उपभोक्ता मामलों ने दिया है। उन्होंने सभी स्वर्ण आभूषण विक्रेताओं से अनुरोध किया है कि बीआईएस में अपना पंजीयन करा लें। इस संबंध में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सराफा व्यापारियों के साथ मिलकर पंजीयन शिविर आयोजित करेगा, ताकि सभी व्यापारियों की मदद की जा सके।

कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान

ग्वालियर में रघुवीर को लगा पहला मंगल टीका

जिले में 6 स्थानों से महा टीकाकरण अभियान शुरू

ग्वालियर। जया आरोग्य अस्पताल समूह (जेएएच) के सफाई कर्मी एवं असल कोरोना वॉरियर्स श्री रघुवीर बाल्मीकि को जिले का पहला मंगल टीका लगा। शनिवार की मंगल वेला में एएनएम श्रीमती गीता कबीर ने जेएएच परिसर में बने कोविड-19 टीकाकरण केन्द्र में जैसे ही रघुवीर की बाँह पर कोरोना टीका लगाया, वैसे ही सम्पूर्ण जेएएच परिसर हर्षमय सुखद अहसास से सराबोर हो गया। रघुवीर द्वारा टीके के रूप में कोविड-19 रक्षा कवच पहनते ही ग्वालियर जिले में भी कोरोना के खिलाफ दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की विधिवत शुरूआत हो गई। टीका लगने से पहले रघुवीर के रक्तचाप व ऑक्सीजन लेवल तथा पहचान दस्तावेजों की जाँच कर ऑन लाइन जरूरी जानकारी फीड की गई। इसी तरह टीका लगने के बाद विशेष कमरे में डॉक्टर्स की निगरानी में बिठाकर आधा घंटे बाद फिर से रक्तचाप इत्यादि की जाँच की गई। सभी जाँच सही पाए जाने पर रघुवीर प्रसन्नचित होकर टीकाकरण केन्द्र से बाहर निकले। ग्वालियर-चंबल अंचल के सबसे बड़े अस्पताल जेएएच में कोविड-19 वेक्सीनेशन के शुभारंभ अवसर के सुखद पलों के साक्षी बनने जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव व विधायक श्री सतीश सिकरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, जी आर मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ एस एन अयंगर,जेएएच के अधीक्षक डॉ आर एस धाकड़ व एडीएम श्री आशीष तिवारी भी पहुँचे थे।

कन्या पूजन के साथ हुई अभियान की शुरूआत-कोरोना वेक्सीनेशन की शुरुआत से पहले कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं जेएएच के अधीक्षक डॉ आर के एस धाकड़ ने ढोल-धमाकों और मंगल धुन के बीच कन्या पूजन किया। श्री रघुवीर बाल्मीक की बिटिया कु. विशाखा का रोली-चंदन की टीका व अक्षत-पुष्प के साथ कन्यापूजन किया गया।

डीन, जेएएच अधीक्षक व अन्य चिकित्सकों के भी लगे टीके -जेएएच के कोरोना टीकाकरण केन्द्र में सबसे पहले श्री रघुवीर बाल्मीक को टीका लगा। इसके बाद जीआर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ एस एन अयंगर, जेएएच के अधीक्षक डॉ आर के एस धाकड़, डॉ देवेन्द्र कुशवाह, डॉ प्रवेश मंगल व डॉ प्रवेश भदौरिया ने टीके लगवाए। इसके बाद पूर्व से पंजीकृत अन्य चिकित्सकीय स्टाफ का टीकाकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में पहले सप्ताह में लगभग 1600 स्वास्थ्य कर्मियों को ऑनलाईन सूचना के जरिए टीकाकरण के लिये बुलावा भेजा गया है।

यहाँ भी लगे शनिवार को मंगल टीके-दुनिया के सबसे बड़े कोरोना टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के लिये जिले में 6 टीकाकरण केन्द्र बनाए गए थे। ग्वालियर में जेएएच के अलावा जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डबरा व भितरवार, थल सेना अस्पताल और वायुसेना के अस्पताल में बनाये गए कोरोना टीकाकरण केन्द्र में भी शनिवार को मंगल टीके लगाकर लोगों को कोविड से बचाव के लिए सुरक्षा कवच पहनाया गया। जिला चिकित्सालय मुरार में डॉ. विपिन गोस्वामी, भितरवार में स्टाफ नर्स श्रीमती नेहा द्विवेदी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डबरा में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्री राकेश गुप्ता को पहला टीका लगाया गया।

अभियान की शुरूआत से पहले सभी ने सुना प्रधानमंत्री का संबोधन-कोरोना टीकाकरण अभियान प्रारंभ होने के पहले सभी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सुना। जेएएच परिसर में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी इस प्रसारण को सुना।

टीकाकरण के लिये पहले तय है प्राथमिकता क्रम-कोरोना टीकाकरण के लिए पहले से प्राथमिकता क्रम निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में कोरोना वॉरियर्स को टीका लगाया जाएगा जिसमें मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल हैं। इसमें सरकारी और निजी अस्पतालों के सेवाभावी चिकित्सक भी टीका लगवाएंगे। अगले क्रम में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को टीका लगेगा जिनमें राजस्वकर्मी, पुलिसकर्मी, नगरीय निकायों के कर्मचारी आदि शामिल हैं। पचास वर्ष की आयु से अधिक के नागरिकों तथा ऐसे नागरिकों जो पचास वर्ष से कम आयु के हैं, परंतु एकाधिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त हैं, उनका टीकाकरण किया जाएगा। यह पूरी तरह टीका सुरक्षित है। पहला टीका लगने के 28 दिन बाद दोबारा टीका लगेगा। इसके पश्चात 14 दिन में एंटीबॉडी विकसित होगी। टीका लगने के 30 मिनट पश्चात तक आब्जर्वेशन किया जा रहा है। टीका लगवाने वाले व्यक्ति को कोई ए ई एफ आई लक्षण तो नहीं है। ऐसा होने पर प्रबंधन की व्यवस्था की गई है।

राज्यसभा सांसद श्रीमंत सिंधिया एवं राज्य सरकार के मंत्रिगण भी पहुँचे टीकाकरण का जायजा लेने

ग्वालियर। सम्पूर्ण देश के साथ ग्वालियर जिले में शुरू हुए कोरोना टीकाकरण अभियान का जायजा लेने राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया भी जेएएच परिसर स्थित कोविड-19 वैक्सीनेशन सेंटर पहुँचे। उनके साथ प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा व श्री मोहन सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उनके साथ पहुँचे थे।

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक श्री अविनाश शर्मा, उप पुलिस महानिरीक्षक श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी व नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे। सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं राज्य सरकार के मंत्रिगणों ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के लिये बनाए गए विभिन्न कक्षों का जायजा लिया। साथ ही टीकाकरण की प्रक्रिया समझी । उन्होंने जेएएच अधीक्षक से कहा कि कोविड वैक्सीनेशन के लिये निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सभी के टीके लगाए जाएँ। उन्होंने शनिवार को कोविड का टीका लगाने वाले सभी स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनायें दीं। साथ ही आह्वान किया कि सभी लोग बेझिझक टीका लगाकर मानवता की रक्षा के लिये चलाए जा रहे इस पुनीत अभियान में सहभागी बनें ।

खुशियों की दास्तां

रघुवीर बोले टीका जरूर लगवाएँ जिससे अब किसी और अपने को न खोना पड़े

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में पहला कोरोना टीका लगवाने के बाद श्री रघुवीर बाल्मीकि के चेहरे पर आत्मविश्वास और खुशी देखते ही बन रही थी। जेएएच के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बने कोविड सेंटर में सफाईकर्मी के रूप में साहसपूर्वक कोरोना वॉरियर्स की भूमिका निभाते आ रहे रघुवीर का कहना था कि सभी लोग जागरूक नागरिक का परिचय देकर कोरोना का टीका जरूर लगवाएँ। अपने मन से सभी तरह के भ्रम निकाल दें और भारतीय वैज्ञानिकों पर भरोसा रखें। यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है। रघुवीर भावुक होकर बोले कि कोरोना से हम सबने कई अपनों को खोया है। इसलिए सभी खुशी-खुशी टीका लगवाएँ, जिससे किसी और अपने को न खोना पड़े। कोरोना टीका लगवाने के लिए रघुवीर अपनी भाभीजी श्रीमती आशा बाई एवं बिटिया विशाखा के साथ आए थे। उनकी भाभी भी जेएएच की सफाई कर्मी हैं और वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ जंग में सहभागी हैं।

डीन एवं जेएएच अधीक्षक ने टीका लगवाकर दिया सकारात्मक संदेश -रघुवीर बाल्मीकि के बाद जेएएच के वैक्सीनेशन सेंटर में जीआर मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. एस एन अयंगर ने कोरोना टीका लगवाया। इसी कड़ी में जेएएच अधीक्षक डॉ. आर एस धाकड़ टीका लगवाने पहुँचे। दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों का कहना था कि यह टीका वैज्ञानिकों के कठिन परिश्रम का नतीजा और पूरी तरह सुरक्षित है। चिकित्सक द्वय ने कहा कि टीका लगने से पहले हमें जैसा महसूस हो रहा था वैसा ही टीका लगने के बाद लग रहा है। किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आई। यह टीका भी आम इंजेक्शन की तरह है। इसलिये सभी बेझिझक इस टीके को लगवाकर वैश्विक माहामारी कोरोना को हराने में अपना योगदान दें। यदि हम टीका नहीं लगवायेंगे तो अपने लिये ही नहीं औरों के लिये भी घातक बन सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478